भीम प्रज्ञा अलर्ट

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

जो व्यक्ति स्वयं पर विश्वास करना सीख लेता है, उसके लिए हालात बाधा नहीं बनते, बल्कि सीढ़ी बन जाते हैं।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-63 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 22 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

चमत्कार से आविष्कार तक : भारत के विकास की असली परीक्षा

भारत की पहचान सदियों से ज्ञान, दर्शन, विज्ञान और आध्यात्मिक चेतना के केंद्र के रूप में रही है। नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने दुनिया को तर्क, गणित, खगोलशास्त्र और चिकित्सा की दिशा दिखाई। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत जैसे महान मनीषियों ने उस दौर में विज्ञान को आधार बनाकर मानव जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया, जब दुनिया का बड़ा हिस्सा अंधकार में था। यह भारत की बौद्धिक विरासत की शक्ति थी। लेकिन विडंबना यह है कि आज, वैज्ञानिक उपलब्धियों के शिखर पर खड़े होने के बावजूद, हमारा समाज फिर से चमत्कारों और अंधविश्वासों की ओर आकर्षित होता दिखाई दे रहा है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। एक ओर भारत का इसरो चंद्रयान जैसे मिशनों के माध्यम से अंतरिक्ष में इतिहास रच रहा है, वहीं दूसरी ओर देश के गांवों, कस्बों और यहां तक कि शहरों में भी चमत्कारिक बाबाओं, तांत्रिकों और कथित दिव्य शक्तियों के नाम पर भीड़ उमड़ रही है। विज्ञान प्रयोगशालाओं में तर्क, परीक्षण और परिश्रम से आगे बढ़ता है, जबकि चमत्कार का दावा बिना किसी प्रमाण के केवल आस्था और डर के सहारे खड़ा किया जाता है। यही अंतर हमारे समाज की सोच को दो ध्रुवों में बांट रहा है।

यह प्रश्न अत्यंत गंभीर है कि जब देश का युवा वैज्ञानिक बनने, तकनीक विकसित करने और नवाचार करने की क्षमता रखता है, तब वह चमत्कारों के मोहजाल में क्यों फंसता है? इसका उत्तर हमारी शिक्षा, सामाजिक सोच और मानसिक आलस्य में छिपा है। चमत्कार तुरंत परिणाम का लालच देता है, जबकि आविष्कार धैर्य, परिश्रम और असफलताओं से गुजरने की मांग करता है। दुर्भाग्यवश, हम त्वरित समाधान के आदी हो गए हैं, इसलिए मेहनत से अधिक चमत्कार पर भरोसा करने लगे हैं। विडंबना तो यह है कि लोग जिस मोबाइल फोन पर चमत्कारों के वीडियो देखते हैं, वह स्वयं विज्ञान का एक अद्भुत आविष्कार है। इंटरनेट, सैटेलाइट, सॉफ्टवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता–इन सबके बिना वह 'चमत्कारी वीडियो' अस्तित्व में ही नहीं आ सकता। लेकिन हम इस तथ्य को समझने के बजाय स्क्रीन पर दिखाई देने वाले भ्रम को ही सत्य मान लेते हैं। यह सोच हमारी वैज्ञानिक चेतना पर प्रश्नचिह्न लगाती है। भारत इस समय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। यह वह समय है जब हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का सम्मान करते हुए, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। आस्था और विज्ञान को आमने-सामने खड़ा करना समाधान नहीं है, लेकिन यह भी स्वीकार करना होगा कि अंधविश्वास और चमत्कारों का अतिरेक राष्ट्र की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बन सकता है। आस्था का उद्देश्य मन को मजबूत करना है, जबकि अंधविश्वास मन को जकड़ देता है।

वैज्ञानिक सोच हमें सवाल पूछने की आज़ादी देती है। 'क्यों' और 'कैसे' पूछना किसी भी समाज को आगे बढ़ाता है। इसके विपरीत, चमत्कारों की संस्कृति सवालों को दबा देती है और तर्क को अपराध बना देती है। जब समाज सवाल पूछना छोड़ देता है, तब ठग, ढोंगी और पाखंडी उसका फायदा उठाने लगते हैं। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों ने तर्क और विज्ञान को नकारा, वे धीरे-धीरे पिछड़ते चले गए। इसरो की सफलता केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह संदेश भी है कि मानव मस्तिष्क, अनुशासन और सामूहिक प्रयास से असंभव को संभव बनाया जा सकता है। चंद्रयान की सफलता किसी एक व्यक्ति का चमत्कार नहीं, बल्कि हजारों वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत का परिणाम है। यही वह सोच है, जिसे समाज के हर स्तर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। आज जरूरत है कि शिक्षा व्यवस्था में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसे जीवन मूल्यों से जोड़ा जाए। बच्चों को यह सिखाया जाए कि असफलता कोई अभिशाप नहीं, बल्कि सफलता की सीढ़ी है। जब युवा यह समझेगा कि उसकी मेहनत ही सबसे बड़ा चमत्कार है, तब वह किसी ढोंगी के पीछे नहीं भागेगा।

अंततः यह स्वीकार करना होगा कि भारत का भविष्य चमत्कारों की प्रतीक्षा में नहीं, बल्कि आविष्कारों की प्रयोगशालाओं में सुरक्षित है। जब हम 'चमत्कार होगा' की मानसिकता छोड़कर 'हम करेंगे' की सोच अपनाएंगे, तभी सच्चा विकास संभव होगा। सबसे बड़ा चमत्कार कोई बाबा या ताबीज नहीं, बल्कि मानव मस्तिष्क की रचनात्मक शक्ति है। यदि हम इसे पहचान लें, तो भारत न केवल आस्था का, बल्कि विज्ञान और नवाचार का भी विश्वगुरु बन सकता है।

खराब क्वालिटी के कॉलेज-यूनिवर्सिटी बंद करें: राज्यपाल

'उच्च शिक्षा में सुधरो नहीं तो बंद करो';

शिक्षा की क्वालिटी से समझौता नहीं होगा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने क्वालिटी एज्यूकेशन नहीं देने वाले कॉलेज, विश्वविद्यालयों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का फैसला किया है। वीसी कोआर्डिनेशन कमेटी की बैठक में राज्यपाल ने कहा- 'उच्च शिक्षा में सुधरो नहीं तो बंद करो' की नीति पर काम किया जाएगा। राज्य में शैक्षिक गुणवत्ता पर कहीं कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ऐसे शिक्षण संस्थान जिनके पास शैक्षिक गुणवत्ता नहीं है, उसे बंद किया जाए।

राज्यपाल ने कहा- अनुमति के बिना यदि कहीं किसी कॉलेज या शिक्षण संस्था को विश्वविद्यालय स्तर पर मान्यता दी गई है तो उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। राज्य में स्कूल से उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रयास हों। शिक्षा ही विकास की नींव है, इसलिए इसके उत्थान के लिए सभी स्तरों पर प्रयास हों।

हर साल विश्वविद्यालयों की ऑडिट करवाने की हिदायत

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को दीक्षांत समारोह हर साल आयोजित किए जाने और उसे कम से कम खर्च में कराने के निर्देश दिए। विश्वविद्यालयों में महालेखाकार ऑडिट हर साल कराए जाने और ऑडिट टीम को सभी तरह का सहयोग किए जाने की भी हिदायत दी है।

नेक रैंकिंग की बाधाओं को दूर करने के निर्देश

राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों में नेक रैंकिंग (नेशनल अकेडेशन काउंसिल) के लिए टाइम बाउंड और प्रभावी कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा- नेक रैंकिंग के लिए विश्वविद्यालयों में आ रही बाधाओं को दूर किया जा रहा है। विश्वविद्यालय शैक्षिक गुणवत्ता, पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति में नवाचार से जुड़ी प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूरा करें। राज्य सरकार स्तर से जुड़ी भर्ती और वित्तीय स्वीकृतियां से जुड़ी प्रक्रियाओं को भी पूरा करने का जल्द प्रयास किया जाएगा। राज्यपाल ने पुस्तकों से लुप्त महत्वपूर्ण भारतीय इतिहास, ज्ञान परंपरा, महत्वपूर्ण विषयों को विश्वविद्यालयों में दीवार पर प्रदर्शित किए

रेवाड़ी के गांव माजरा के सरपंच रविंद्र हाथी पर जानलेवा हमला, हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोट

ग्रामीणों ने एसपी से मिलकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । रेवाड़ी के गांव माजरा में सड़क व सीवर लाइन के निर्माण कार्य को लेकर हुए विवाद के दौरान गांव के सरपंच रविन्द्र हाथी पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमलावरों ने सरपंच को लाठी-डंडों से घेरकर पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसे लेकर आज सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने रेवाड़ी के एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा से मुलाकात कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। ग्रामीणों के मुताबिक हमले में सरपंच रविन्द्र हाथी को सिर, हाथ व पैरों में गंभीर चोटें आईं। हालत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत रेवाड़ी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने फ्रैक्चर की पुष्टि की है।

वहीं इस मामले में पीड़ित सरपंच रविंद्र हाथी का कहना है कि वह अपने गांव के ग्रामीणों की शिकायत मौके पर पहुंचे थे। तभी आरोपी और उसके सहयोगियों ने उस पर लाठी डंडों और रोड से हमला कर दिया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और विधायक डॉक्टर कृष्ण कुमार से अपील करते हुए इस मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए 7 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस द्वारा क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है तो वहीं मामले कि आगामी कार्रवाई में जुटी है।

डालमिया विद्या मंदिर चिड़ावा में स्पोर्ट्स विंटर कैंप का समापन समारोह संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

डालमिया विद्या मंदिर, चिड़ावा में आयोजित स्पोर्ट्स विंटर कैंप का समापन समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह शीतकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 16 दिसंबर 2025 से 20 जनवरी 2026 तक रामकृष्ण डालमिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, चिड़ावा में सफलतापूर्वक संचालित किया गया। समापन समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों ने कैंप के दौरान सीखे गए खेल कौशल का प्रदर्शन किया। फुटबॉल, बैडमिंटन, हॉकी एवं खो-खो में विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुति ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों को प्रभावित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य शक्ति सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेल शिक्षा विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास का सशक्त माध्यम है। प्रधानाध्यापिका (प्राथमिक विभाग) नमिता चौधरी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास होता है। कैंप में देश के विभिन्न राज्यों से आए अनुभवी प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण प्रदान किया, जिनमें फुटबॉल कोच आसिफ (केरल), बैडमिंटन कोच

तुषार (हरियाणा) एवं फिटनेस कोच साहिल (केरल) शामिल रहे। शिविर के सफल संचालन हेतु डालमिया शिक्षा समिति के प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप कुल्हार द्वारा समस्त व्यवस्थाओं का कुशलतापूर्वक संचालन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशिक्षक अमित चौहान, विवेक डांगी, अमित सैनी, खेल प्रशिक्षक राजेश कुमार एवं अनिल कुल्हार का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने शिविर के दौरान विद्यार्थियों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह स्पोर्ट्स विंटर कैंप भविष्य में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को निखारने में मील का पत्थर सिद्ध होगा तथा विद्यार्थियों को खेलों में नई ऊँचाइयों तक पहुँचने की प्रेरणा देगा।

नीमराना पंचायत समिति में विकास कार्यों की सघन समीक्षा, योजनाओं को समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना पंचायत समिति सभागार में बुधवार, 21 जनवरी 2026 को विकास अधिकारी नरेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में ग्राम विकास अधिकारियों एवं कनिष्ठ सहायकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। विकास अधिकारी नरेन्द्र शर्मा ने एमपी लैड, एमएलए लैंड, एसएफसी एवं एफएफसी योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने तथा प्रगतिरत कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। साथ ही संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वीकृत व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों को शीघ्र पूर्ण करने, स्वच्छता से संबंधित रजिस्टरों का नियमित संधारण करने तथा पूर्ण हो चुके कार्यों के उपयोगिता एवं पूर्णता प्रमाण पत्र समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। समीक्षा बैठक में सहायक विकास अधिकारी ओम प्रकाश निर्मल, राजेश कुमार पंवार, लेखाधिकारी राजेश कुमार कंडेरा, सहायक

लेखाधिकारी आदित्य कुमार, कनिष्ठ तकनीकी सहायक मुकेश चौधरी, सुरेन्द्र ग्वाला सहित ग्राम विकास अधिकारी हिमांशु सिंह चौहान, हितेन्द्र, गजराज सिंह, उमेश यादव, अंकित यादव, गौरव सिंह तथा कनिष्ठ सहायक जगदीश प्रसाद, राजपाल, अंजू यादव, देव प्रकाश, गजेन्द्र, दीपचंद, पूजा, सुन्दर लाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में गति लाकर आमजन को योजनाओं का समय पर लाभ पहुंचाना रहा।

NH-48 शाहजहांपुर में बड़ा हादसा टला: बाइक की पेट्रोल टंकी में लगी आग, दमकलकर्मियों की तत्परता से दो युवक सुरक्षित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । शाहजहांपुर - दिल्ली जयपुर हाईवे पर बुधवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। दिल्ली - जयपुर रोड स्थित एनएच - 48 शाहजहांपुर में बस स्टैंड पुलिया के पास बाइक सवार कंटेनर ट्रक के नीचे आ गए, लेकिन समय रहते राहत कार्य होने से दोनों युवक सुरक्षित बचा लिए गए। शाहजहांपुर थाना प्रभारी प्रक्रिता सिंह ने बताया कि एक बस सड़क किनारे रुककर सवारियां उतार रही थी। इसी दौरान प्लेटिना मोटरसाइकिल चालक मनवीर सिंह (40) पुत्र वेदपाल सिंह, निवासी सिरसा घोघड़ा, थाना भिवानी, जिला भिवानी (हरियाणा) ने बस को ओवरटेक किया। तभी पीछे से आए एक कंटेनर ट्रक ने मोटरसाइकिल को

टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर गया और मोटरसाइकिल कंटेनर के नीचे चली गई। हादसे के दौरान मोटरसाइकिल की पेट्रोल टंकी का ढक्कन खुल गया, जिससे पेट्रोल फैलने के कारण बाइक में आग लग गई। आग की लपटें कंटेनर के टायरों तक भी पहुंच गईं। घटना की सूचना मिलते ही नीमराना से दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और तत्परता से आग पर काबू पा लिया। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक मनवीर सिंह तथा उसके साथ मौजूद सोहिल पुत्र नागिन, निवासी मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। आग बुझाने में दमकलकर्मियों के साथ ग्रामीण मुकेश मीणा, विक्की मीणा, संदीप शर्मा उर्फ भींडर, अब्बू मीणा ने आग पर काबू पाने के लिए विशेष मदद की। बाद में हाइड्रा मशीन की सहायता से जले हुए कंटेनर को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारू कराया गया। हादसे के बाद नीमराना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश खींची, नीमराना जापानी जोन औद्योगिक क्षेत्र चौकी इंचार्ज मनोहर लाल मीणा ने पहुंचकर हादसे की जानकारी ली गई।

कानून-व्यवस्था से लेकर तकनीक तक फोकस: फतेहाबाद में अपराध नियंत्रण को लेकर एसपी की रणनीतिक बैठक

अपराध पर नियंत्रण तभी संभव है, जब पुलिस हर स्तर पर जवाबदेह हो '– एसपी सिद्धांत जैन

गणतंत्र दिवस को लेकर हाई अलर्ट : संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा, अफवाह फैलाने वालों पर रहेगी सख्त नजर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के निर्देशन में आज पुलिस लाइन स्थित एनजीओ मैस के मीटिंग हॉल में जिले की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं पुलिस कार्यप्रणाली की समीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी उपस्थित रहें। बैठक के दौरान जिले में घटित गंभीर अपराधों, लंबित विवेचनाओं, गिरफ्तारी वारंटों, न्यायालयीन मामलों तथा आगामी दिनों में प्रस्तावित सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने

स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण के साथ-साथ आमजन का विश्वास बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गणतंत्र दिवस को लेकर कड़े सुरक्षा निर्देश

एसपी श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस ने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मद्देनज़र जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संवेदनशील स्थानों, सार्वजनिक कार्यक्रम स्थलों, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। असामाजिक तत्वों, संदिग्ध व्यक्तियों तथा अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

तकनीक, साइबर अपराध व महिला सुरक्षा पर विशेष फोकस

बैठक में CCTNS, ICJS, ई-साक्ष्य एवं ई-सम्मन प्रणाली के प्रभावी उपयोग, साइबर अपराधों पर निगरानी तथा महिला एवं बाल अपराधों में संवेदनशीलता से कार्रवाई पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के अंत में एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि जिले में अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है, जबकि आम नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और शांति व्यवस्था के लिए फतेहाबाद पुलिस हर समय तत्पर है। इस अवसर पर एएसपी रतिया दिव्यांशी सिंगला, आईपीएस, डीएसपी टोहाना उमेद सिंह, डीएसपी मुख्यालय कुलवंत सिंह, डीएसपी नरसिंह, डीएसपी भट्टूकलां संजय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नशा तस्करी पर जीरो टॉलरेंस

एसपी ने दो टूक कहा कि यदि किसी भी थाना क्षेत्र में नशा बिकता पाया गया तो संबंधित थाना प्रभारी के विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। नशा तस्करी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।अवैध सट्टेबाज़ी, सूदखोरी एवं संगठित अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

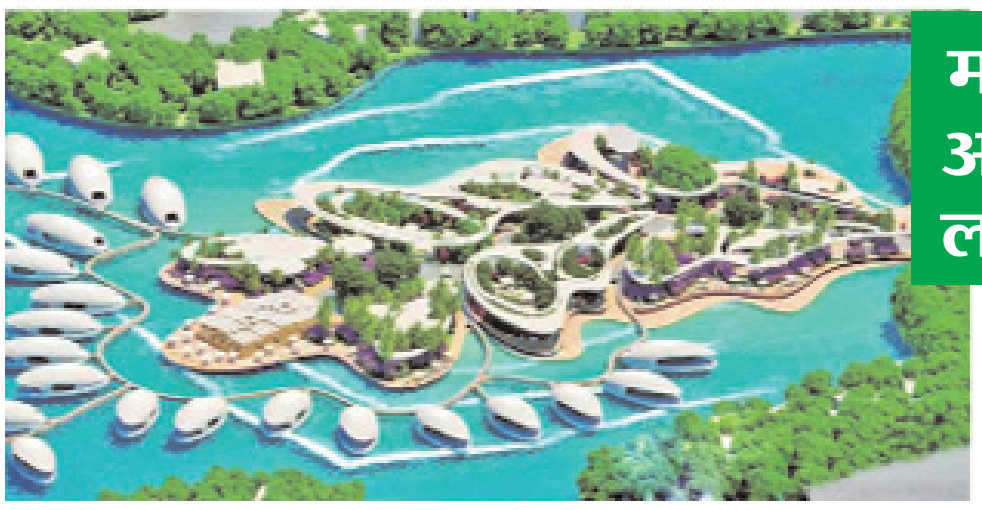

मालदीव्स की तर्ज पर आबूधाबी में बन रहे हैं लग्जरी फ्लोटिंग विला

यूएई के आबूधाबी में पर्यटकों के लिए नई लग्जरी जगह विकसित की जा रही है। दरअसल यहां के गास आईलैंड और सादियात आईलैंड के बीच बसे रामहन आईलैंड पर अल्ट्रा लग्जरी रिट्रीट बनाई जा रही है। इसे प्रॉपर्टी डीलर ईगल हिल और मैरियट इंटरनेशनल मिलकर विकसित कर रहे हैं। साल 2029 तक इस प्रोजेक्ट के पूरे होने की संभावना है। इस आइलैंड प्रोजेक्ट पर करीब 28 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत यहां 50 प्राइवेट लग्जरी फ्लोटिंग बिला बनाए जाने हैं। ये बिला एक से चार नेडरूम वाले होंगे। विला मालदीव में बने फ्लोटिंग विला की तरह होंगे। खास बात ये होगी कि इन विला के पास इस क्षेत्र के पहले फ्लोटिंग विला होने का दजों होगा। विला में बड़े टेरेस, निजी स्विमिंग पूल और बढ़ी-बड़ी खिड़कियां होंगी, जिनसे समुद्र का सुंदर नजारा नजर आएगा। द्वीप की प्राकृतिक सुंदरता बढ़ाने के लिए यहां मैग्रोव वृक्ष भी लगाए जाएंगे। यह द्वीप ऊपर से देखने पर तितली के आकार का दिखाई देगा।

सस्टेनेबिलिटी को ध्यान में रखकर होगा डिजाइन

फ्लोटिंग विला सस्टेनेबिलिटी और लग्जरी का शानदार समावेश होंगे। विला को इस तरह से तैयार किया जाएगा कि लोग घर के हर कोने से बाहर की शांत दुनिया का आनंद ले सकें। इमारत को इस तरह बनाया जा रहा है कि ज्यादा से ज्यादा प्राकृतिक रोशनी और हवा अंदर आ सके। इससे बिजली की खपत कम होगी।

4 करोड़ वर्गफीट में होने हैं विकास कार्य

रामहन आइलैंड प्रोजेक्ट 4.3 करोड़ वर्गफीट एरिया में फैला होगा। इन विला के अलावा भी कई लग्जरी होटल्स व रिसॉर्ट होंगे। यहां पॉट क्लब और बुटिका भी बनेंगे। अलग-अलग देशों के खाने की चीजों के कई बेन्यू भी होंगे। साथ ही कई एंटरटेनमेंट एक्टिविटीज एरिया भी विकसित किए जाने हैं। मुख्य भूमि से फ्लोटिंग विला तक जाने के लिए नावों का सहारा लेना पड़ेगा फ्लोटिंग विला के अलावा रामहन द्वीप में 1800 स्वतंत्र बिला, 100 मरीना आवास और 1.7 किमी लंबा बाजार भी अनेगा।

कैसे ग्रेट ब्रिटेन यूनाईटेड किंगडम और इंग्लैंड अलग-अलग हैं?

ब्रिटेन, यूनाईटेड किंगडम और इंग्लैंड ये शब्द तो हम सुनते ही रहते हैं। लेकिन ये तीनों शब्द एक ही देश के नाम नहीं है। बल्कि अलग-अलग जगहों के नाम है। आज हम जानते हैं कि आखिर कैसे ब्रिटेन, यूके और इंग्लैंड अलग-अलग हैं। ग्रेट ब्रिटेन एक द्वीप है, वहीं चार देशों से मिलकर बनता है यूके।

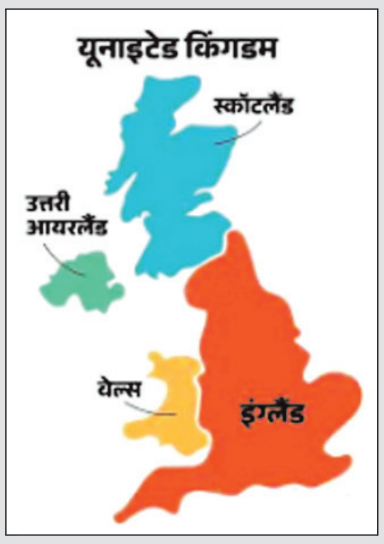

ब्रिटेन या ग्रेट ब्रिटेन ग्रेट ब्रिटेन कोई देश नहीं है, बल्कि यह सिर्फ एक भौगोलिक क्षेत्र को दर्शाता है। यह एक राजनीतिक टर्म नहीं है, बस एक द्वीप मात्र है। वेल्स, स्कॉटलैंड और इंग्लैंड देशों को साथ में ग्रेट ब्रिटेन कहते हैं। स्कॉटलैंड और वेल्स स्वतंत्र देश नहीं है, लेकिन इन्हें यूके से कुछ विशेषाधिकार मिले हुए हैं। यूनाईटेड किंगडम असल मायनों में यूके ही एक संप्रभु देश है। इंग्लैंड, वेल्स, स्कॉटलैंड और नॉर्दन आयरलैंड मिलकर यूके बनाते हैं। इन चारों देशों के लोगों के पास यूके की ही नागरिकता होती है। यूएन की लिस्ट में भी आपको यूनाईटेड किंगडम का ही नाम मिलेगा। यूके में संसदीय राजशाही चलती है। इंग्लैंड इंग्लैंड यूके में शामिल चार प्रशासनिक क्षेत्रों में से एक है, जिसे देश का दर्जा मिला है। इसके पास स्वयं का झंडा व राष्ट्रगान है। लेकिन यूके की संसद जरूरत पड़ने पर इनकी शक्तियां छीन सकती है।

ये हैं दुनिया के कुछ अनोखे रीति-रिवाज

दुनिया के देश भले ही विकसित हो गए हों, पर यहां आज भी कई ऐसी मान्यताएं और त्योहार मनाए जाते हैं जो सुनने-देखने में बेहद विचित्र लगते हैं. आज हम आपको सबसे अजीबोगरीब मान्यताओं के बारे में बताने जा रहे हैं.

पोल्टरबेंड, जर्मनी

जर्मनी में शादी के दौरान दुल्हा-दुल्हन के रिश्तेदार चीनी से बने बर्तन तोड़ते हैं। बाद में इन टूटे हुए बर्तनों को नवविवाहित जोड़ा साफ करता है। कठिन समय में वह जोड़ा एक-दूसरे का साथ दे सकें, यही इस परंपरा का मकसद हैं।

ब्लैकेनिंग ब्राइड यूरोप एवं अमेरिका

यह एक प्री-वेडिंग रिवाज है। इसमें दुल्हन के ऊपर दूध, अंडे, काले पदार्थ जैसी चीजें डालकर दुल्हन को शहर में घुमाया जाता है। ऐसा करने के पीछे मान्यता है कि दुल्हन जीवन के नए अध्याय के लिए तैयार हो सकें।

वाइफ कैरिंग, चीन

चीन के कई हिस्सों में पति अपनी गर्भवती पत्नी को पीठ पर बैठाकर जलते हुए अंगारों पर नंगे पैर चलते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से बच्चे की डिलीवरी आसानी से होती है। साथ ही इस रिवाज से पति का पत्नी के प्रति प्यार भी झलकता है।

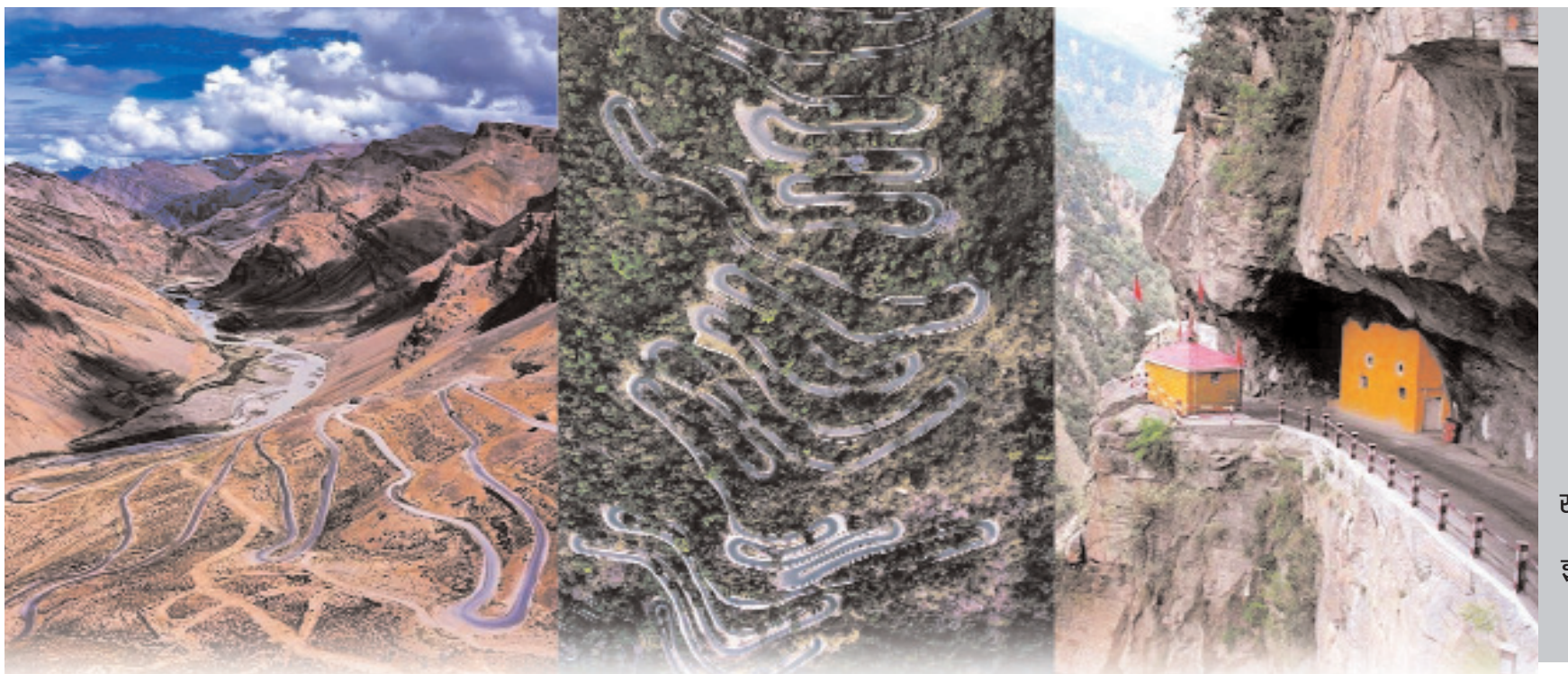

अक्सर लोग घूमने-फिरने के लिए बाहर जाना पसंद करते थे. वे पहाड़ों और ग्रीनरी वाली जगहों को सेलेक्ट करते हैं, ताकि वे अपना समय शांति में बिता सके. इसी के साथ लोगों को ऐसी खूबसूरत सड़कों पर घूमना, तस्वीरें क्लिक करना और ड्राइविंग-राइडिंग करना बेहद पसंद आता है, लेकिन आज हम आपको भारत की उन सड़कों के बारे में बताने जा रहे हैं जो खूबसूरत के साथ-साथ बेहद खतरनाक है. इन सड़कों पर राइडिंग और ड्राइविंग आपके लिए खतरे से खाली नहीं है. जिन सड़कों के बारे में हम बात करने जा रहे हैं वो रास्ते कमजोर दिल वालों के लिए तो बिलकुल भी नहीं है. ये ऐसी सड़कें हैं जहां चक्कर आना, सांस लेने में तकलीफ के साथ-साथ चिंता और भय के कारण बहुत सारी दुर्घटनाएं हो सकती हैं. सर्दियों के मौसम की बात करें तो उस समय पर इन सड़कों पर दूर- दूर तक कोई नहीं दिखाई देता है.

बेहद खतरनाक हैं भारत की ये सड़कें, आसान नहीं यहां गाड़ी चलाना

लेह-मनाली हाईवे

इस सड़क पर भूस्खलन जैसी घटनाएं आए दिन ही होती रहती हैं. ये रोड सर्दियों के दौरान बहुत सारी नेविगेशन समस्याओं से ग्रस्त है. मनाली अक्सर लोग घूमने-फिरने जाते हैं और अपना क्वालिटी टाइम स्पैंड करते हैं.

रोहतांग दर्रा

रोहतांग दर्रा जितना देखने में सुंदर है उतना ही यहां पहुंचना कठिन है. ये मनाली से लगभग 53 किमी दूर स्थित है. जो भी यहां विजिट करता है वो घाटी, ग्लेशियर, पहाड़ और चंद्रा नदी का लुत्फ उठा सकते हैं. आपको बता दें ये दर्रा जून और अक्टूबर के महीनों के बीच खुला रहता है और इस ड्यूरेशन में यहां हजारों पर्यटक आते हैं.

गाटा लूप्स

आप सबिह को बता दें जानकारी के मुताबिक इस सड़क में 21 हेयरपिन लूप हैं और यह लद्दाख में सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क की ओर जाता है. इस जगह पर जाने और घूमने के लिए एक ट्रेंड वाहन चालक की जरूरत होती है.

कोली हिल रोड

तमिलनाडु राज्य में स्थित इस सड़क पर ड्राइविंग करना खतरे से खाली नहीं है. इस रोड पर लगातार 70 हेयरपिन मोड़ हैं जिसे क्रॉस करना हर चालक के लिए आसान नहीं है. वो ही शख्स यहां पर गाड़ी चला सकता है जिसका पहाड़ों में ड्राइव करने का लंबा अनुभव रहा हो.

सिक्किम में ज़िगज़ैग रोड

यह सड़क तीन स्तरों से गुजरती है जो सिक्किम में एक पहाड़ी घाटी में घूमती है. इस खतरनाक रोड पर हर कोई ट्रेवल करने से कतराता है और तौबा कर लेता है.

सांगला रोड

हिमाचल की सड़क जिसे सांगला रोड के नामसे जाना जाता है ये भी काफी खतरनाक है. इस सड़क पर जरा सी लापरवाही करने का सीधा मतलब यह है कि अपनी जान जोखिम में डालना.

दुनिया में सबसे अधिक ऊंचाई पर लटकी है चीन की यह दुकान

चीन के हुनान प्रांत में ऊंची पहाड़ी पर एक अनोखी दुकान (गुमटी) बनी है, जो 120 मीटर (393 फीट) की ऊंचाई पर पहाड़ के बीच में है। यह दुकान पर्वतारोहियों को उनकी चढ़ाई के दौरान आवश्यक नाश्ता, जलपान और भोजन प्रदान करता है। इसे पूरी दुनिया में सबसे असुविधाजनक सुविधा स्टोर करार दिया गया है। आमतौर पर हमें कोई खाने की चीज लेनी हो तो आसानी से किसी दुकान पर पहुंच जाते हैं। लेकिन चीन में एक ऐसी दुकान है, जहां से सामान खरीदने के लिए ग्राहकों को जान की बाजी लगानी पड़ जाती है। दरअसल यह दुकान हुनान प्रांत में शिनियुझाई नेशनल जियोलॉजिकल पार्क में स्थित है। यह दुकान एक पहाड़ पर 393 फीट की ऊंचाई पर है। ये मात्र 22 वर्गफीट में ही फैली हुई है। इसे दुनिया की सबसे असुविधाजनक सुविधा स्टोर कल्त्य जाता है। संभवतः यह दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित दुकान है। दुकान एक लकड़ी के बक्से में बनी हुई है। यहां दो घंटे की चढ़ाई के बाद पहुंच सकते हैं

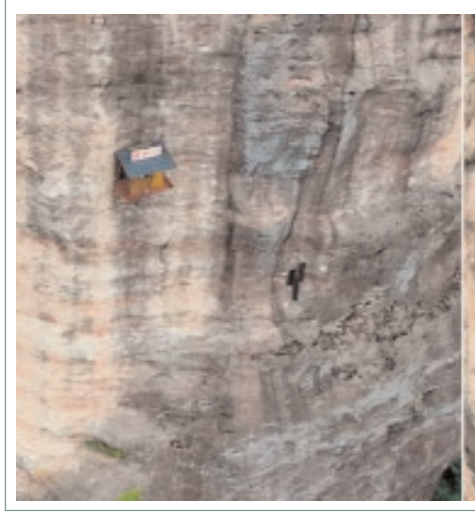

पवर्तारोहियों की मदद के लिए खोली गई दुकान

यह दुकान पर्वतारोहियों को पहाड़ चढ़ने के दौरान रिफ्रेशमेंट उपलब्ध कराने के मकसद से खोली गई है। यहां पर कुछ तरह की डिंक्स, पानी और चिप्स जैसी चीजें मिलती है। यहां काम कर रहे वर्कर बताते हैं कि यहां चीजें महंगे दामों पर नहीं बल्कि नीचे मिल रही कीमतों पर ही मिलती हैं। इसलिए दुकान आने वाले लोगों में कृतज्ञता का भाव भी होता है। दुकान में एक समय में एक व्यक्ति ही खड़ा रह सकता है। उसी को हर सुबह दुकान में सामान भरना होता है। इसमें दो घंटे का समय लग जाता है। स्टोर तक की चढ़ाई में ही 90 मिनट लगते हैं। यहां काम कर रहे कर्मचारी जरूरत पड़ने पर पहाड़ चढ़ रहे लोगों की मदद भी करते हैं।

युगद्रष्टा शिक्षाविद् संदीप नेहरा: 'नोबल' सेवा संकल्प से गढ़ते भविष्य

भीम प्रज्ञा मोटिवेशनल स्टोरी।

शिक्षा केवल पाठ्यक्रम पूरा करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य को गढ़ने की प्रक्रिया है–इस विचार को अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर कार्य कर रहे हैं नोबल शिक्षण समूह के निदेशक इंजीनियर संदीप नेहरा। आधुनिक शिक्षा जगत में वे उस चेतना का नाम हैं, जिनकी कर्मठता, नवाचार और सेवा भाव ने हजारों विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा दी है। वर्तमान में गांव देवलावास से शिक्षा की यात्रा शुरू कर बुहाना, पचेरी सहित आधा दर्जन संस्थाओं का संचालन कर रहे हैं।

संवाद नहीं, जीवन परिवर्तन की प्रक्रिया

संदीप नेहरा के सानिध्य में बिताया गया समय साधारण बातचीत नहीं होता, बल्कि वह अनुभव होता है जो सोच को बदल देता है। वे विद्यार्थियों को केवल विषय नहीं पढ़ाते, बल्कि उन्हें जीवन जीने की दृष्टि देते हैं। आत्मविश्वास, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता उनके शिक्षण दर्शन की बुनियाद है।

'पारस व्यक्तित्व': साधारण को असाधारण बनाने की क्षमता

उनका व्यक्तित्व प्रेरणा का ऐसा स्रोत है, जहाँ साधारण पृष्ठभूमि से आया विद्यार्थी भी स्वयं को विशेष महसूस करता है। जिस प्रकार पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है, उसी प्रकार उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें सामर्थ्य में बदलना सीखते हैं। यही कारण है कि उन्हें शिक्षा जगत का 'पारस व्यक्तित्व' कहा जाता है।

नवाचार की सोच: शिक्षक नहीं, शिक्षण पद्धति बदलती है

जहाँ निजी शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों का बार-बार बदलना आम बात मानी जाती है, वहीं संदीप नेहरा की कार्यशैली इससे बिल्कुल अलग है। उनका मानना है कि शिक्षक अनुभव की पूंजी होते हैं, इसलिए बदलाव शिक्षण शैली में होना चाहिए, न कि शिक्षकों में। अनुभव और नई सोच के समन्वय से वे हर सत्र में सफलता का नया अध्याय जोड़ते हैं।

संस्कार, शिक्षा और सामाजिक चेतना का संगम

उनके लिए शिक्षा का अर्थ संस्कारों के बिना अधूरा है। वे विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिकता और संवेदनशीलता का विकास करने पर विशेष जोर देते हैं, जिससे शिक्षा समाज परिवर्तन का माध्यम बन सके।

गौ-सेवा और सादगी भरा जीवन

भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों से गहराई से जुड़े संदीप नेहरा गौ-सेवा को सामाजिक कर्तव्य मानते हैं। गौशालाओं को सहयोग और स्वयं का सादा जीवन उनके विचारों की सच्चाई को दर्शाता है। बड़े संस्थान के नेतृत्वकर्ता होने के बावजूद उनकी सरलता उन्हें आमजन के निकट रखती है।

परिवार से संस्थान तक–सभी के अपने

एक आदर्श पिता, संवेदनशील मार्गदर्शक और संस्थान में परिवार जैसा वातावरण–हर भूमिका में उन्होंने श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया है। वे कर्मचारियों और विद्यार्थियों को केवल सहयोगी नहीं, परिवार का हिस्सा मानते हैं।

पुरुष से पुरुषोत्तम की ओर यात्रा

स्वार्थ से परे जाकर सबकी उन्नति में अपनी उन्नति देखने की भावना उन्हें विशिष्ट बनाती है। यही निस्वार्थ दृष्टि उन्हें साधारण व्यक्ति से ऊपर उठाकर समाज का मार्गदर्शक बनाती है।

भविष्य की मजबूत नींव

इंजीनियर संदीप नेहरा शिक्षा के क्षेत्र में वह परिवर्तन हैं जो वर्तमान को सुधारते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए सशक्त, संस्कारित और जागरूक समाज की नींव रख रहे हैं। नोबल शिक्षण समूह से जुड़ा प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को इस परिवर्तनकारी यात्रा का गौरवशाली सहभागी मानता है।

सीमाओं से परे सेवा और पहचान

संदीप नेहरा की पहचान केवल राजस्थान या हरियाणा तक सीमित नहीं रही। उनकी शिक्षण परंपरा और सेवा भावना की गूंज नेपाल तक सुनाई देती है। आज देश के अनेक प्रतिष्ठित सरकारी विभागों और संस्थानों में उनके शिष्य कार्यरत हैं, जो अपने आचरण और कार्यकुशलता से अपने गुरु के संस्कारों को जीवंत कर रहे हैं।

अंतिम पंक्ति के विद्यार्थी के लिए संघर्ष

संदीप नेहरा का स्पष्ट मत है कि आर्थिक अभाव किसी प्रतिभा की हत्या न करे। इसी सोच के साथ उन्होंने न्यूनतम शुल्क संरचना में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ बनाया। उनका उद्देश्य केवल डिग्री दिलाना नहीं, बल्कि समाज के लिए जिम्मेदार और चरित्रवान नागरिक तैयार करना है।

पितृ स्मृति से समाज सेवा की प्रेरणा

अपने पिता स्वर्गीय एस.एस. नेहरा की पुण्यतिथि को वे सामाजिक प्रेरणा के पर्व के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों और कर्मठ समाजसेवियों को सम्मानित किया जाता है। यह आयोजन केवल पुरस्कार वितरण नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने का संकल्प देने वाला मंच बन चुका है।

सहायता संस्था द्वारा आम जनता को सड़क सुरक्षा व दुर्घटना स्थल पर घायल को किस प्रकार 'मूलभूत जीवन रक्षा प्रणाली' का दिया प्रशिक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया। रोजदा ग्राम पंचायत में भारत एवं राज्य सरकार के भरसक प्रयास के उपरांत भी भारत का स्थान विश्व में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में पहले स्थान पर है। अमूमन दुर्घटना स्थल पर लोगों की भीड़ लग जाती है लेकिन कानूनी प्रक्रिया में पड़ने के डर से व घायल की किस प्रकार से मदद की जाये के बारे में जानकारी ना होने से घायल की सहायता नहीं करता है। इसी सन्दर्भ में सहायता संस्था के द्वारा एसबीआई के सहयोग से व जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार आम जनता को दुर्घटना स्थल पर घायल को किस प्रकार से 'मूलभूत जीवन रक्षा प्रणाली' का सम्मिलित प्रशिक्षण कार्यक्रम रोजदा, महेशवास कलां, हरदत्तपुरा के ग्रामीणों के लिए ग्राम पंचायत रोजदा में दिया गया। इस प्रशिक्षण में संस्था के मनीष संचेती ने सड़क सुरक्षा विषय एवं इमरजेंसी नंबर के द्वारा एम्बुलेंस को तुरंत बुलाना, इन केस ऑफ़ इमरजेंसी (ह्वष्टश्व) नंबर से घरवालो को बुलाना व भले नागरिक (त्रशश्वस्र स्ड्डद्वड्डह्म्द्बह्லड्ड) के अधिकार तथा फुटपाथ पर तुरंत ले जाना जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न न हो, बेहोश व्यक्ति में रिकवरी पोजीशन, मेरुदंड की चोट में सावधानी जैसे महत्वपूर्ण जानकारी सांझा की। उन्होंने ये भी बताया कि अकेले भारत में हर साल 1,70,000 से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवा देते हैं। इसलिए इन दुर्घटना के आंकड़ों में कमी लाने के लिए हर व्यक्ति को यह प्रशिक्षण लेकर स्वयं की सुरक्षा के साथ किसी भी आपातकालीन स्थिति में घायल की हरसंभव मदद के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सड़क सुरक्षा प्रतिज्ञा भी करवाई की कोई दुर्घटना दिखने पर वे अवश्य वहां रुक कर मदद करेंगे। कनक वर्मा ने प्रशिक्षण में सीपीआर देने का सही तरीका बताया एवं प्रतिभागियों से उसका व्यावहारिक अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी वितरित किये गए। इस दौरान प्रशासक आशा निठारलाल, ग्राम विकास अधिकारी सुमन वर्मा, कनिष्ठ सहायक नानूराम बुनकर, समाज सेवी शैतान निठारवाल, भैरूलाल कुमावत, मेट राजेंद्र बुनकर, गुलाबचंद सैन, एएनएम, आशा वर्कर, इंटर्नशिप सदस्य एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे।

अकोर्ड पावर ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक उद्योग में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बना रहा है सशक्त पहचान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

हैदराबाद अकोर्ड पावर ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक उद्योग जगत में तेज़ी से विकास करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक मजबूत और विश्वसनीय पहचान बना चुका है। समूह के उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों ने देश-विदेश के बाज़ारों में व्यापक स्वीकार्यता और लोकप्रियता प्राप्त की है। अकोर्ड पावर ग्रुप हैदराबाद की इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे 900 से अधिक कर्मचारियों की समर्पित टीम के साथ-साथ निदेशक मंडल का दूरदर्शी, सशक्त एवं कुशल नेतृत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कंपनी का निदेशक मंडल श्री ए.वैकंट रैड्डी, श्रीमती शीला सैनी, ए. संपत रैड्डी, गौरव सैनी व ई.श्रीधर रैंडी के मार्गदर्शन में संगठन को निरंतर प्रगति और नवाचार की दिशा में अग्रसर कर रहा है।नवाचार, गुणवत्ता और तकनीकी उत्कृष्टता को अपने कार्य-संस्कृति का आधार बनाते हुए अकोर्ड पावर ग्रुप का उद्देश्य देश एवं विदेश में ग्राहकों को विश्वस्तरीय इलेक्ट्रॉनिक सामान प्रदान करना है। कंपनी भविष्य में अपने व्यावसायिक विस्तार, अनुसंधान एवं विकास तथा वैश्विक साझेदारियों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में सतत प्रयासरत है।

तोदी महाविद्यालय में संस्थापक दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लुक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को संस्थापक दिवस मनाया गया। संस्थापक दिवस समारोह के अंतर्गत पुष्पांजलि एवं भजनांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव आशकरण शर्मा, प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत, प्रशासक प्रमेन्द्र सिंह शेखावत, नथमल तोदी बी एड महाविद्यालय प्राचार्या डॉ बीनू शेखावत, प्रबन्ध समिति सदस्य श्रीराम शर्मा, सुरेश मिश्रा द्वारा संस्थापक स्वर्गीय श्री भगवानदास तोदी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर सचिव सुनीता शर्मा, प्राचार्य ममता तंवर, रघुनाथ अस्पताल के व्यवस्थापक रघुनंदन पारीक, देवकीनन्दन पारीक, श्यामसुन्दर शर्मा, संदीप जोशी सहित महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों ने स्वर्गीय श्री भगवानदास तोदी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की।महाविद्यालय के पुरातन छात्र पुष्पेन्द्र शर्मा व विकास सैनी के साथ ही महाविद्यालय के विद्यार्थियों दिव्या व्यास,नितिन जांगिड़ निखित, तनिशा, गौरव, सिमरन आदि ने भजनों के माध्यम से भजनांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ सदस्य, एनसीसी कैडेट्स,एनएसएस स्वंयसेवक, रेंजर -रोवर्स तथा अन्य अतिथि उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद शर्मा ने किया ।

सूने मकान की चोरी का खुलासा, मरम्मत व रंग-रोगन करने वाला ही निकला चोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थाना पुलिस ने ग्राम ऊकरूंद में रात्रि के समय सूने मकान से हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। मकान की मरम्मत और रंग-रोगन का काम करने के बहाने गांव में आया मजदूर ही चोरी की पूरी साजिश रचने वाला निकला, जिसने काम के दौरान घर की गतिविधियों पर नजर रखकर वारदात को अंजाम दिया और फिर फरार हो गया। महवा सीओ मनोहरलाल मीना के सुपरविजन में तथा मंडावर थानाधिकारी के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए आरोपी को उत्तरप्रदेश के आगरा जिले से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार ग्राम ऊकरूंद निवासी राधेश्याम पुत्र श्रवणलाल मीना ने 4 जनवरी 2026 को थाना मंडावर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर ने उनके सूने मकान में घुसकर अंदर रखी सन्दूक का ताला तोड़ दिया और उसमें रखी नगदी व जेवरात चोरी कर लिए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान गांव में हाल ही में आए बाहरी मजदूरों और मरम्मत कार्य से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों की बारीकी से पड़ताल की गई, जिसमें संदेह उस युवक पर गहराया जो मकान में काम कर चुका था।तकनीकी साक्ष्यों और आसूचना तंत्र के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी इमरान उस्मानी उर्फ छोटू पुत्र सुलेमान, उम्र करीब 27 वर्ष, निवासी गली नंबर 01 महावीर नगर राधेवाली शिव नगर जगनेर रोड, थाना शाहगंज, जिला आगरा उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह मजदूरी के उद्देश्य से गांव आया था और काम के दौरान मकान की स्थिति, कीमती सामान और सूने समय की जानकारी जुटाकर चोरी की योजना बनाई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के प्रकरण दर्ज हैं, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति स्पष्ट होती है। मंडावर थाना पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल ग्राम ऊकरूंद में हुई चोरी की वारदात का खुलासा हुआ है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में सक्रिय बाहरी अपराधियों के प्रति सख्त संदेश भी गया है। पुलिस आरोपी से चोरी गए माल की बरामदगी और अन्य संभावित घटनाओं को लेकर गहन पूछताछ कर रही है। इस सफलता से क्षेत्र में पुलिस की सजगता और कानून व्यवस्था के प्रति आमजन का भरोसा और मजबूत हुआ है।

पूर्व की बडी वारदातें अब भी अनसुलझी,पीड़ितों की उम्मीदें टूटी।

सूने मकान की चोरी के मामले में मिली सफलता के बावजूद मंडावर थाना क्षेत्र की बड़ी और चर्चित चोरियों को लेकर लोगो के मन में असंतोष है। क्षेत्र में यह चर्चा आम है कि 'बूंद से घड़ा नहीं भरता' और एक-दो मामलों के खुलासे से लम्बे समय से लंबित बड़ी वारदातों पर पड़े सवाल खत्म नहीं हो जाते। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में कृषि उपज मंडी मंडावर में दिनदहाड़े व्यापारी के गल्ले से लाखो की नकदी चोरी, हाइवे स्थित पेट्रोल पंप पर खड़े हाथी से भी विशाल ट्रेलर की सनसनीखेज चोरी और शहर के मुख्य बाजार में ज्वैलर की दुकान से लाखों रुपये के माल पर हाथ साफ होने जैसी घटनाएं आज भी अनसुलझी पड़ी हैं। इनमें से कुछ मामलों में तो 'न्याय की तलाश' बीच रास्ते ही थम गई और पुलिस ने एफआर लगाकर फाइलें बंद कर दीं, जिससे पीड़ितों की पीड़ा और गहरी हो गई। लोगो का कहना है कि 'उम्मीद वही टूटती है, जो कभी बंधी हो '। ये सभी बड़ी चोरियां उसी दौर में हुई थीं, जब वर्तमान मंडावर थानाधिकारी प्रवीण मीना के कंधे पर दो स्टार लगे थे। बाद में प्रमोशन के बाद तीन स्टार के साथ क्षेत्र में पुन: वापसी पर पीड़ितों को लगा था कि अब पुरानी फाइलें खुलेंगी और इंसाफ की रफ्तार बढ़ेगी, लेकिन समय बीतने के साथ वह उम्मीद रेत की दीवार साबित हुई। आज हालात यह हैं कि छोटी सफलताओं की चमक में बड़ी वारदातों का अंधेरा और गहराता जा रहा है। लोगो की जुबान पर अब कोई आक्रोश नहीं, बल्कि एक शांत सवाल है–' जब बड़ी चोरियां आज भी बेनकाब नहीं हुईं, तो भरोसा कैसे कायम रहे?' यही सवाल मंडावर थाना क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर एक मर्यादित लेकिन गहरी चोट करता नजर आ रहा है।

बुहाना में दर्दनाक सड़क हादसा: रोडवेज बस से भिड़ी बाइक, बैंककर्मी की मौत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

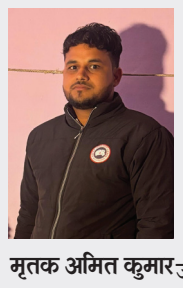

थाना क्षेत्र के हंसास गांव के पास बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान कुहाड़वास निवासी अमित कुमार (24) पुत्र हरकेश के रूप में हुई है, जो बुहाना के एक निजी बैंक में कार्यरत था। हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमित कुमार बुधवार रात अपने गांव कुहाड़वास से बाइक पर सवार होकर बुहाना की ओर जा रहा था। इसी दौरान हंसास गांव के पास सामने से आ रही बुहाना से भिवानी जा रही रोडवेज बस से उसकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अमित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी तथा घायल युवक को तुरंत बुहाना के राजकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और अस्पताल में भीड़ जमा हो गई। बताया गया है कि अमित कुमार अविवाहित था और अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता पेशे से ड्राइवर हैं। बेटे की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।सूचना मिलने पर बुहाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। हादसे में क्षतिग्रस्त बाइक और रोडवेज बस को जब्त कर थाने लाया गया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। इस संबंध में हेड कांस्टेबल संजय कुमार ने बताया कि शव को बुहाना के राजकीय अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया था। परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों की ओर से दी जाने वाली रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद से गांव कुहाड़वास और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और हादसों पर अंकुश लगाने की मांग की है।

मृतक अमित कुमार

भीम प्रज्ञा कविता

अपूर्णता का गौरव

दाग़ तो उस चाँद पर भी है,
फिर भी वो चाँद है।

धुंधली परछाइयों में छिपा उजाला
अपनी सच्चाई को ढकता नहीं,
बल्कि और रहस्यमय बना देता है।

टूटे आईने की रौशनी
सिर्फ़ प्रतिबिंब बदलती है,
सत्य को नहीं।

काले धब्बों की गहराई में
एक श्वेत शांति छिपी रहती है,
जो अंधकार को भी
अपने आलोक का हिस्सा बना लेती है।

वो चाँद है–
अपूर्णता में भी पूर्ण,
कलंक में भी गौरव,
और हर दाग़ में
एक नई चमक का रहस्य।

- क्षमा राव, मुंबई
कवयित्री

व्यवसायिक शिक्षा की जिला स्तरीय प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक झुंझुनू के तत्वाधान में व्यावसायिक शिक्षा की 'स्किल एग्जीबिशन कम कंपीटिशन' जिला स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन स्काउट गाइड मुख्यालय झुंझुनू में हुआ। प्रदर्शनी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डाइट प्राचार्य सुमित्रा झाझड़िया,विशिष्ट अतिथि स्काउट महेश कलावत,कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार,कार्यक्रम की अध्यक्षता डाइट प्रभागाध्यक्ष प्रमेन्द्र कुल्हार द्वारा की गई।

प्रदर्शनी प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में प्रिंसिपल रमेश कुमार, अशोक कुल्हारी,महेंद्र सिंह उपस्थित रहें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुमित्रा झाझड़िया ने बताया की स्किल एग्जीबिशन कम कम्पीटिशन व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धात्मक क्षेत्र में अपने कौशल, ज्ञान और निपुणता को प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करती है। विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने, निरन्तर सुधार हेतु प्रेरित करने, नवाचार को बढ़ावा देने और व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षण के बारे में समग्र जागरूकता अभिवृद्धि हेतु इस गतिविधि का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डाइट प्रभागाध्यक्ष प्रमेन्द्र कुल्हार ने बताया की स्किल एग्जीबिशन कम कम्पीटिशन व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों को अपने कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करने नवाचार को प्रेरित करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने,व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रतिभा को पहचानने, व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने,व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण को बढ़ावा देना के लिए विधालय,जिला और राज्य स्तर पर आयोजित किए जाने वाली गतिविधि है,जो विद्यार्थियो के सर्वांगीण विकास के साथ साथ रोजगार के अवसर भी प्रदान करती है।

कार्यक्रम में प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि स्किल एग्जीबिशन कम कम्पीटिशन गतिविधि कक्षा 9 से कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई है इस गतिविधि के अन्तर्गत व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थी प्रतियोगिता के दौरान सेक्टर से संबंधित मॉडल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर के लिए किया जाएगा ।जिले में व्यावसायिक शिक्षा संचालित 35 विद्यालयों के कुल 44 सेक्टर के विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा उनके साथ विद्यालय से शिक्षक /कौशल मित्र भी उपस्थित रहें। प्रदर्शनी कार्यक्रम के समापन पर एडीईओ राजेश कुमार , जिला प्रचारक भगतसिंह विशेष रूप से उपस्थित होकर विजेता विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया ।कार्यक्रम में राजेश, राकेश, नवीन , विकास कुल्हारी सहित विभिन्न विधालयों से शिक्षक उपस्थित रहें।

विद्यार्थियों को स्वेटर एवं जैकेट वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

शहीद बहादुर सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भोजासर बडा में बुधवार को विद्यार्थियों को सर्दी से बचाव हेतु स्वेटर एवं जैकेट वितरित किए गए। समाजसेवी शंकर लाल मंडीवाल की ओर से आयोजित किया

गया।विद्यालय परिसर में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में प्रधानाचार्य परमेश्वर लाल की प्रेरणा से विद्यार्थियों को गर्म वस्त्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में तरुण कुमार, भागचंद महरिया, विकाश वर्मा, अध्यापक प्यारेलाल,ओमप्रकाश शर्मा, रामावतार, भीवाराम सहित विद्यालय स्टाफ आदि मौजूद थे।

लक्ष्मणगढ़ सुनेगा तीन दिन तक नानी बाई रो मायरो

शहर के मुख्य मार्गो से निकलेगी विशाल व भव्य शोभायात्रा व कलशयात्रा, प्रियांशु चैतन्य महाराज व्यासपीठ से करेंगे मायरे का वाचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां रामलीला मैदान के पास स्थित माहेश्वरी भवन में वर्ष 2026 का लक्ष्मनगढ के पहले नानी बाई रो मायरो कथा को लक्ष्मनगढ सुनेगा। मायरे से पूर्व आयोजित होगी विशाल शोभायात्रा व महिला कलशयात्रा यात्रा जो श्री सीताराम जी के मंदिर से रवाना होकर मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल माहेश्वरी भवन पहुंचेगी। जहां व्यासपीठ पर विराजमान होकर प्रमुख कथावाचक प्रियांशु चैतन्य महाराज करेंगे नानी बाई रो मायरो का वाचन जिसे लक्ष्मणगढ़ सुनेगा।

चार्टर्ड अकाउंटेंट लक्ष्मनगढ हाल गुवाहाटी (असम) निवासी संजय अंजु काबरा की ओर से आयोजित किए जाने वाले लक्ष्मनगढ के इतिहास का वर्ष 2026 के पहले नानी बाई रो मायरो को सुनने जहां प्रवासी मौजूद रहेंगे वहीं बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहकर कथा अमृतपान करेंगे।बसंतोत्सव के दूसरे दिन 24 जनवरी से शुरू होने वाले मायरे से पूर्व श्री सीताराम जी के मंदिर से प्रातः 10.15 बजे शोभायात्रा व कलशयात्रा निकाली जाएगी जो मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल माहेश्वरी भवन पहुंचेंगी। जहां तीन दिवसीय नानी बाई रो मायरो कथा का वाचन प्रतीदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगा।आयोजक काबरा दम्पति ने बताया कि इस दौरान 25 जनवरी को रात्रि 8.30 बजे भव्य व शानदार बसंतोत्सव का आयोजन होगा वहीं 26 जनवरी की शाम आकर्षक फूलों की होली खेली जाएगी तथा इसके साथ ही कथा का समापन होगा। उन्होंने बताया कि नानी बाई रो मायरो कथा के दौरान माहेश्वरी भवन स्थित कथा स्थल को बंगाल से आए सुप्रसिद्ध कलाकारों की ओर से विभिन्न जीवंत झांकियां व विशेष सजावट की जायेगी।

नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद और 20 हजार रुपये का जुर्माना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । रेवाड़ी के पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा आईपीएस द्वारा जिला के सभी थाना प्रबंधक, चौकी इंचार्ज व अनुसंधानकर्ताओं को विशेष निर्देश दिए हुए हैं कि महिला विरुद्ध अपराध व पॉक्सो एक्ट के तहत शिकायत का बिना किसी विलंब के शिकायत के आधार पर अभियोग अंकित करें, साथ ही महत्वपूर्ण व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर प्रभावी पुलिस कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय में आरोपियों को दंड व पीड़ित को न्याय दिलाने का कार्य करें। इन्हीं निर्देशों की पालना के परिणाम स्वरूप थाना खोल पुलिस द्वारा की गई उत्कृष्ट पैरवी पर एक नाबालिग छात्रा का अपहरण और दुष्कर्म करने के मामले में श्री लोकेश गुप्ता अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट रेवाड़ी द्वारा मामले में संलिप्त एक आरोपी संदीप कुमार निवासी गांव बोडिया कमालपुर को दोषी करार देते हुए 20 साल कैद व 20 हजार रुपये के जुर्माना की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में दोषी को 20 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। जिले के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि उनकी 16 वर्षीय बेटी 11वीं कक्षा की छात्रा है। 11 सितंबर 2021 को उनकी बेटी घर से लापता हो गई है। जिस पर पुलिस ने थाना खोल में अपहरण का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। पुलिस ने पीड़िता को बरामद कर लिया था बरामदगी के बाद दिए बयान में नाबालिग ने संदीप कुमार और उसके दो साथी प्रमोद व इन्द्रजीत पर बहला फुसला कर ले जाने तथा उसे शराब जैसा कोई नशीला पदार्थ पिलाकर एक बणी में ले जाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। बयान दर्ज करने के बाद पुलिस ने इस मामले में पोक्सो एक्ट की धारा ईजाद करके मामले में संलिप्त सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

पुलिस ने जांच पूरी होने के बाद अदालत में चार्जशीट दायर की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अदालत में साक्ष्य प्रस्तुत किए और गवाहों के बयान भी दर्ज कराए। साक्ष्यों और सभी पहलुओं पर सुनवाई के बाद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के एएसजे लोकेश गुप्ता ने एक आरोपी संदीप कुमार दोषी करार दिया। अदालत ने दोषी को 20 साल कैद और 20 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है। जुर्माना नहीं भरने पर दोषी को 20 महीने की अतिरिक्त सजा भी भुगतनी होगी।

चिड़ावा में 26वां तीन दिवसीय बसंत महोत्सव शुरू

551 निशानों की सामूहिक पूजा के साथ हुआ शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

श्री श्याम नवयुवक मित्र मंडल, चिड़ावा की ओर से आयोजित 26वां तीन दिवसीय बसंत महोत्सव का शुभारंभ बुधवार, 21 जनवरी को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हो गया। महोत्सव की शुरुआत 551 निशानों की सामूहिक पूजा के साथ की गई। महोत्सव को लेकर श्री महाकालेश्वर मंदिर एवं पुरानी बस्ती स्थित श्री श्याम मंदिर में सभी तैयारियां पूरी कर

ली गई थीं। मंदिर परिसर को भव्य पंडाल व आकर्षक सजावट से सजाया गया है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में रंग गया।मंडल पदाधिकारियों के अनुसार बुधवार सुबह 11:15 बजे 551 निशानों की सामूहिक पूजा संपन्न हुई। वहीं शाम 6:15 बजे विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जयपुर की प्रसिद्ध भजन गायिका सोनिया शर्मा एवं दिल्ली के कुमार प्रवीण अपने मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। गुरुवार, 22 जनवरी को दोपहर 12:15 बजे महिला मित्र मंडल द्वारा श्याम पाठ का आयोजन होगा। इसके बाद शाम 7:15 बजे भव्य जागरण आयोजित किया जाएगा, जिसमें कोलकाता के कुमार गौरव पारीक भजनों की अमृत वर्षा करेंगे। इसी दिन श्री श्याम प्रभु का 49वां मूर्ति स्थापना दिवस भी श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर बाबा का कोलकाता के विशेष फूलों से अलौकिक श्रृंगार कर 56 भोग अर्पित किए जाएंगे। महोत्सव का समापन शुक्रवार को सुबह 9 बजे होगा, जब श्री महाकालेश्वर मंदिर से श्री श्याम मंदिर तक विशाल निशान शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में मुंबई-नासिका का नरेश ढोलक ग्रुप, बाहुबली हनुमान-गोरिल्ला झांकी, बंटी तिलकधारी एंड ग्रुप तथा रामू जी श्री महादेव आर्ट ग्रुप की आकर्षक प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण रहेंगी। इसके साथ इलेक्ट्रिकल आतिशबाजी एवं आयोजकों ने समस्त क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

रेवाड़ी में सेफ हाउस का औचक निरीक्षण, सीजेएम अमित वर्मा ने जोड़ों से की मुलाकात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के निर्देशानुसार एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-ष्ह्वद्व-सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी अमित वर्मा द्वारा शनिवार को सेफ हाउस का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सेफ हाउस में रह रहे दो जोड़े उपस्थित मिले, जिनसे सीजेएम अमित वर्मा ने बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम जानी। निरीक्षण के दौरान सीजेएम ने सेफ हाउस में साफ-सफाई, रहन-सहन की व्यवस्था तथा खान-पान की गुणवत्ता का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जोड़ों को आश्वस्त किया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उनकी हर संभव सहायता के लिए तत्पर है और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे बेझिझक संपर्क कर सकते हैं। सीजेएम अमित वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेफ हाउस में रह रहे व्यक्तियों को कानूनी सहायता और उपलब्ध सेवाओं के बारे में पूरी जानकारी दी जाए, ताकि वे कानून द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को न्याय दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को निशुल्क कानूनी सेवाएं उपलब्ध कराना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। लीगल एड के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों तथा तीन लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले सभी व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की जाती है। सीजेएम ने यह भी जानकारी दी कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति उपमंडल विधिक सेवा समिति या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में संपर्क कर सकता है। इसके अलावा, उन्होंने नालसा (NALSA) हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी बताया, जिस पर कॉल कर कानूनी सहायता से संबंधित जानकारी प्राप्त की जा सकती है। औचक निरीक्षण से सेफ हाउस की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी तथा वहां रह रहे लोगों को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट का बीसवां सामूहिक विवाह समारोह और प्रतिभा सम्मान समारोह 28 जनवरी को

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने वर वधू को वितरित की 'बरी सहित अन्य विवाह सामग्री'

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 28 जनवरी को भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से आयोजित होने वाले बीसवें सामूहिक विवाह समारोह के दौरान दाम्पत्य सूत्र में बंधने वाले 61 जोड़ों को बरी का सामान, दूल्हे के कपड़े, दुल्हन का जोड़ा, श्रृंगार सामग्री वितरित की। सांसद सेवा केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा पिछले बीस वर्षों से सामूहिक विवाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का

आयोजित किया जा रहा है। इस बार यह आयोजन 28 जनवरी को होगा। उन्हें दांपत्य सूत्र में बंधने वाले सभी वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मेघवाल ने कहा कि संस्था द्वारा सामाजिक सरोकार के विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इस बार 61 जोड़े सामूहिक रूप से दाम्पत्य जीवन में जुड़ेंगे। इन्हें बरी की सामग्री, दूल्हे और दुल्हन के कपड़े, जूते-चप्पल, श्रृंगार सामग्री और टाई, साफे सहित अन्य विवाह सामग्री वितरित की। इस दौरान नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष महावीर रांका, विक्रम सिंह राजपुरोहित आदि मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस पर बच्चों के सिर होगी 'टोपिया', प्रधानाचार्य के सिर केसरिया साफा

इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने शहरी क्षेत्र के स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए साफे और विद्यार्थियों के लिए कैप वितरण अभियान की शुरुआत की। यह साफे और टोपियां शहरी क्षेत्र की स्कूलों तक भिजवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर बच्चों में देशभक्ति का जज्बा पैदा होगा और वे राष्ट्र के प्रति कृतज्ञ हो सकेंगे। उन्होंने दस स्कूलों के प्राचार्यों और विद्यार्थियों को सांकेतिक रूप से यह सामग्री वितरित की।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच का जयपुर में भव्य स्वागत, चिड़ावा पधारने का दिया न्योता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता मुकेश दाधीच को पुनः भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर जयपुर स्थित उनके निवास स्थान पर चिड़ावा भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष शर्मा की अगुवाई में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने दाधीच का माल्यार्पण कर, पारंपरिक राजस्थानी साफा पहनाकर और शाल ओढ़ाकर भावभीना अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें दोबारा इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और इसे संगठन की मजबूती के लिए एक सराहनीय कदम बताया। इस गरिमामयी अवसर पर चिड़ावा नगरपालिका की पूर्व अध्यक्ष मधु शर्मा, ठेकेदार अमीलाल कटकी सहित कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। स्वागत के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने दाधीच को चिड़ावा पधारने का भावभरा न्योता भी दिया। शुभकामनाओं और न्योते को सहर्ष स्वीकार करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे जल्द ही चिड़ावा प्रवास का कार्यक्रम बनाएंगे और कार्यकर्ताओं से मिलेंगे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल का जन्मदिन धूमधाम से मना, जयपुर रोड स्थित फार्म हाउस पर उमड़ा जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोविंद राम मेघवाल का जन्मदिन बुधवार को उनके आवास और जयपुर बाईपास रोड स्थित फार्म हाउस पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बीकानेर लोकसभा क्षेत्र के कोने-कोने से सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समर्थक अपने लोकप्रिय नेता को बधाई देने पहुंचे।जन्मदिन का मुख्य कार्यक्रम जयपुर बाईपास स्थित फार्म हाउस पर आयोजित किया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से गोविंद राम मेघवाल का भव्य स्वागत किया। इसके बाद केक काटकर उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की गई। पूरे दिन उनके निवास और फार्म हाउस पर बधाई देने वालों का सिलसिला लगातार जारी रहा, जिससे आयोजन स्थल पर उत्सव जैसा माहौल बना रहा। कार्यक्रम में विशेष रूप से छतरगढ़ और सतासर क्षेत्र से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि और कार्यकर्ता पहुंचे। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से मुनसफ बलोच (छतरगढ़), बरकत बलोच, युनुस बलोच तथा गुलाम नबी बलोच (सतासर) शामिल रहे। इन सभी ने पूर्व मंत्री को शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की। इस अवसर पर गोविंद राम मेघवाल ने सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का प्रेम, सम्मान और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।जन्मदिन समारोह में जिले के विभिन्न ब्लॉकों और पंचायतों से भी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। आयोजन शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप व रोजगार मेला आज

1000 युवाओं को विभिन्न कंपनी के प्रतिनिधि रोजगार देने के लिए लेंगे साक्षात्कार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । राजकीय आईटीआई रेवाड़ी परिसर में गुरुवार,22 जनवरी को प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप व रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। इस रोजगार मेला में बावल, धारूहेड़ा, मानेसर और रेवाड़ी से अनेक प्रतिष्ठित कंपनी हिस्सा ले रही हैं। इन कंपनियों के माध्यम से लगभग 1000 बच्चो को रोजगार दिलाने का लक्ष्य रखा गया है।आईटीआई रेवाड़ी के प्रधानाचार्य सुरेंद्र यादव ने बताया कि जिला के वे सभी युवा जिन्होंने आईटीआई, पॉलीटेक्निक, डिप्लोमा और स्नातकोत्तर किया हुआ है वो सभी इसमें शामिल हो सकते हैं। इस रोजगार मेला में एक ही स्थान पर छात्र -छात्राओं को अनेक कंपनियों के प्रतिनिधियों के समक्ष साक्षात्कार देने का अवसर मिलेगा। अप्रेंटिसशिप व प्लेसमेंट ऑफिसर प्रदीप यादव ने बताया कि रोजगार मेला में आने वाले सभी युवा अपना रिज्यूम साथ लेकर आएं। रोजगार मेले की प्रक्रिया 22 जनवरी को सुबह 9 बजे से शुरू हो जाएगी व दिनभर जारी रहेगी। युवाओं के पास अपनी मनपसंद कंपनी चुनने का विकल्प रहेगा जिसमें वो अपनी योग्यता के अनुसार कार्य देख सकते हैं इसलिए आईटीआई रेवाड़ी की प्लेसमेंट ब्रांच की तरफ से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा बच्चे इस रोजगार मेले में शामिल होकर लाभ उठाएं।

आदिवासी मीना महिला संघ की जिला कार्यकारिणी का गठन, प्रथम मीटिंग गुरुवार को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

सुमेर मीणा । आदिवासी मीना महिला विकास संघ की प्रदेशाध्यक्ष मंजू जेफ़ के मार्गदर्शन में सीकर जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है।जिलाकार्यकारिणी की प्रथम मीटिंग गुरुवार, 22 जनवरी को सीकर में होगी, जिसमें आदिवासी मीना समाज में व्याप्त कुरीतियों तथा समाज सुधारों पर चर्चा होगी।आदिवासी मीना महिला संघ की सीकर जिलाध्यक्ष अनीता मीना ने बताया कि जिलाकार्यकारिणी के विस्तार में निर्मला मीना संरक्षक, बिना मीना उपाध्यक्ष, संतोष मीना महासचिव, मंजू मीना सचिव, मोना मीना कोषाध्यक्ष, कमला देवी सह कोषाध्यक्ष, भंवरी मीना, मिश्री मीना, लक्ष्मी देवी तथा कांता मीना को कार्यकारी सदस्य बनाया गया है।

मंडावर में बसंतोत्सव-2026 बनेगा इतिहास, हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा

खंडेलवाल समाज मंडावर का अभूतपूर्व आयोजन।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । खंडेलवाल समाज मंडावर द्वारा आयोजित बसंतोत्सव महोत्सव-2026 इस वर्ष ऐतिहासिक स्वरूप लेने जा रहा है। समाज के मंत्री राजेन्द्र बूसर, संरक्षक प्रभातीलाल दुसाद एवं कार्यकारिणी सदस्य विपुल झालानी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि मंडावर की माटी के लाल, प्रख्यात उद्योगपति, खंडेलवाल ग्रुप ऑफ कंपनीज के निदेशक, खंडेलवाल महासभा के आजीवन संरक्षक तथा लगातार पांचवीं बार निर्वाचित मंडावर खंडेलवाल समाज अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल (मंडावर वाले) के नेतृत्व में यह भव्य आयोजन 22 व 23 जनवरी 2026 को पूरे वैभव, अनुशासन और सामाजिक एकता के संदेश के साथ आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बसंतोत्सव केवल धार्मिक या सांस्कृतिक उत्सव नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक चेतना, प्रतिभा प्रोत्साहन और सामूहिक सहभागिता का मजबूत मंच बनेगा। समाज की ओर से मंडावर क्षेत्र के समस्त खंडेलवाल समाजजनों को परिवार सहित शामिल होने का स्नेह आमंत्रण दिया गया है। साथ ही 22 जनवरी सायं 5 बजे से 23 जनवरी पूरे दिन तक अपने-अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखकर समाज के इस ऐतिहासिक आयोजन में सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है।

भव्य शोभायात्रा और दो दिवसीय महोत्सव से गूंजेगा पूरा क्षेत्र

खंडेलवाल समाज मंडावर के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल, जिनके नेतृत्व में बसंतोत्सव-2026 आयोजित होगा।'

मंडावर खंडेलवाल महिला मंडल अध्यक्ष शशि दुसाद।

प्रतिभा सम्मान और सांस्कृतिक संध्या से होगा भव्य शुभारंभ

बसंतोत्सव महोत्सव का शुभारंभ 22 जनवरी गुरुवार को पंचायती धर्मशाला, मंडावर में होगा। इस अवसर पर समाज की मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। कक्षा पांचवीं व आठवीं में ग्रेड-ए प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, कक्षा दसवीं व बारहवीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं सहित आईआईटी, नीट, सीए एवं विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित समाज के होनहारों को मंच पर सम्मानित किया जाएगा। सायं पांच बजे से विशिष्ट कलाकारों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे, वहीं सायं सात बजे से समाजजनों के लिए सामूहिक पारिवारिक प्रीतिभोज का आयोजन रहेगा।

मोटरसाइकिल रैली से लेकर हेलीकॉप्टर आगमन तक रहेगा उत्साह चरम पर।

23 जनवरी शुक्रवार को प्रातः 7.30 बजे गढ़ रोड स्थित गर्ल्स स्कूल से घाटा बालाजी मंदिर तक अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल के नेतृत्व में खंडेलवाल समाज की भव्य मोटरसाइकिल रैली निकाली जाएगी, जिसमें समाज के युवक, युवतियां, महिलाएं एवं पुरुष बड़ी संख्या में भाग लेंगे। रैली के समापन के पश्चात पंचायती धर्मशाला में प्रातः 9 बजे से 11.30 बजे तक सपरिवार सामूहिक भोज आयोजित होगा। दोपहर ठीक 12.15 बजे महोत्सव का सबसे ऐतिहासिक और चर्चित क्षण तब आएगा, जब समाज अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल, राजस्थान भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र (पिंटू) सैनी एवं क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा जयपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा मंडावर पहुंचेंगे। हेलीकॉप्टर की लैंडिंग गढ़ रोड स्थित राजकीय गर्ल्स स्कूल के खेल मैदान में होगी, जहां समाज की सैकड़ों बालिकाएं पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में अतिथियों का भव्य स्वागत करेंगी। इसके पश्चात शाही अंदाज में पुलिस सुरक्षा के बीच अतिथियों का काफिला शोभायात्रा स्थल की ओर प्रस्थान करेगा।

मंच पर ऐतिहासिक स्वागत, मालाओं से होगा अतिथियों का सम्मान।

शोभायात्रा स्थल पर पहुंचने के बाद खंडेलवाल समाज मंडावर की ओर से समाज अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल एवं पधारे मुख्य अतिथियों का मंच पर विशाल फूल मालाओं से भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया जाएगा। समाज की ओर से यह स्वागत सम्मान पूरे गरिमामय वातावरण में किया जाएगा, जो लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में रहेगा।

शहरभर में अतिथियो के स्वागत की रहेगी व्यापक श्रृंखला।

शोभायात्रा के दौरान शहर के अनेक समाजों, सामाजिक संगठनों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा समाज अध्यक्ष एवं पधारे मुख्य अतिथियों का जगह-जगह भव्य स्वागत-सत्कार किया जाएगा। स्वागत का यह क्रम संभवतः पूरे जुलूस मार्ग में निरंतर चलता रहेगा। इसी क्रम में समाजबंधुओं एवं आमजन के लिए कई स्थानों पर अल्पाहार की समुचित व्यवस्था भी विभिन्न समाजों और प्रतिष्ठानों द्वारा की जाएगी, जिससे समाजबंधुओ को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा और झांकियों से सजेगा पूरा मंडावर।

शहर के पुराने बस स्टैंड स्थित तहसीलदार बेरखंड़ा वालों के यहां से प्रारंभ होकर पंचायती धर्मशाला तक पहुंचने वाली शोभायात्रा इस बार ऐतिहासिक जुलूस का स्वरूप लेगी। आकर्षक झांकियां, सजी-धजी बग्घियां, हाथी-घोड़े, बाहर से आमंत्रित कलाकारों की प्रस्तुतियां और पूरे मार्ग में होने वाला स्वागत-सम्मान इसे अविस्मरणीय बनाएगा।

पुलिस प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

संभावित भारी भीड़ को देखते हुए मंडावर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। मंडावर थानाधिकारी ने बताया कि कानून व्यवस्था एवं यातायात को लेकर पर्याप्त पुलिस जाप्ता तैनात किया जाएगा। मोटरसाइकिल रैली, शोभायात्रा एवं हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहेगा, ताकि श्रद्धालुओं और आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

शोभायात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर से की जाने वाली पुष्पवर्षा इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण रहेगी, जिससे पूरा मंडावर फूलों की वर्षा में सराबोर नजर आएगा और यह दृश्य मानो इंद्रदेव की कृपा जैसा प्रतीत होगा।

संस्कार केंद्रों के बच्चों को कम्बल-स्वेटर वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां मेघवाल बस्ती स्थित डॉ. अम्बेडकर सरस्वती संस्कार केन्द्र और खटीक बस्ती स्थित श्री हंस निर्वाण सरस्वती संस्कार केन्द्र के बच्चों को लक्ष्मणगढ नागरिक परिषद की ओर से मंगलवार शाम कम्बल, स्वेटर, पाठ्य सामग्री, मिठाई आदि का वितरण किया गया।

परिषद के सचिव निशान्त गोयनका ने बताया कि उक्त कम्बल पाना देवी पुरोहित मेमोरियल फाउण्डेशन (दिल्ली) तथा स्वेटर श्रीमती सुनीता देवी निवासी गुवाहाटी व श्रीमती विनीता - विश्वनाथ चिरानियाँ के आर्थिक सौजन्य से परिषद को प्राप्त हुए थे कम्बल-स्वेटर वितरण के समय बच्चों के अभिभावक भी उपस्थित थे। आदर्श विद्या मन्दिर द्वारा संचालित उक्त दोनों संस्कार केन्द्रों पर कमजोर वर्ग के बच्चों को निःशुल्क संस्कार एवं शिक्षा दी जाती है। परिषद के स्थानीय अध्यक्ष विष्णु भूत, संरक्षक राजकुमार पारीक, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील बूबना, महिला प्रकोष्ठ सचिव सोनू सोमानी, वर्षा भूत, कुसुम पुजारी, विनीता चिरानिया, सीमा जोशी, सरिता शर्मा, अरूणा पाराशर, डॉ. पूजा कुशवाहा, सौम्य गोयनका, विकास सैनी तथा नरेश सैनी ने उक्त सहायता सामग्री का वितरण किया। संस्कार केन्द्रों के प्रभारी शिक्षक अशोक पालड़ीवाला, आशा बागड़ी, रामेश्वर लाल तंवर व मीनाक्षी तंवर ने लक्ष्मणगढ नागरिक परिषद परिवार का आभार व्यक्त किया। इन दोनों केन्द्रों पर 25-25 बच्चे प्राथमिक शिक्षा और संस्कारों से लाभान्वित हो रहे हैं।

सीवरेज शोधन की प्रक्रिया से रूबरू हुए विद्यार्थी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत आज मंडावा के स्कूली छात्र-छात्राओ ने सीवरेज परियोजना के तहत निर्मित परिसंपत्तियों के कार्य स्थल सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, बिसाऊ रोड़ पर एक्सपोजर विजिट कर सीवरेज शोधन की प्रक्रिया से रूबरू हुए कार्यक्रम में प्लांट ऑपरेटर गजेंद्र चोपदार ने विद्यार्थियों को सीवरेज शोधन प्रक्रिया की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी। वहीं लैब केमिस्ट्री हेमराज सैनी और साइट इंजीनियर रोविन शर्मा ने विद्यार्थियों को सीवरेज कनेक्शन की प्रक्रिया से लेकर पानी के शोधन की प्रक्रिया को मानचित्र के माध्यम से विस्तार से बताया। साथ ही बताया कि उक्त प्रक्रिया को अपनाने से क्षेत्र का माहौल शुद्ध रहता है तथा बीमारियों से भी निजात मिलती है। कैंप रुडीप के सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रुहेला ने बताया कि स्वच्छता का ध्यान सभी को रखना चाहिए हर एक जागरूक नागरिक का दायित्व बनता है कि ये आमजन को स्वच्छता के प्रति जागृत करे। इस दौरान स्कूल के विद्यार्थियों की ओर से प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से कई सवाल जवाब भी किये। उन्होंने डायरेक्टर साजिद खान व स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में एस ओ टी सदस्य संदीप स्वामी सहित विद्यालय स्टाफ हनी तथा अमित ने विजिट को सफल बनाने में भागीदारी निभाई।

स्वर्गीय मूली देवी मीना की पुण्यतिथि पर बनावड़ में निःशुल्क नेत्र जांच व मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर होगा आयोजित।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । सीओ कार्यालय में कार्यरत समाजसेवी ओमप्रकाश मीना द्वारा अपनी स्वर्गीय माता श्रीमती मूली देवी मीना निवासी हिंगोटा की पुण्यतिथि के अवसर पर जनसेवा की भावना से निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर जिला अंधता निवारण समिति, दौसा के आर्थिक सहयोग से लॉयन्स हेल्थ केयर एंड रिसर्च सोसायटी, मंडावर के तत्वावधान में आयोजित होगा, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को उच्च स्तरीय नेत्र उपचार की सुविधा पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। यह शिविर उप स्वास्थ्य केंद्र बनावड़, मंडावर में लगाया जाएगा, जहां सेठ रामस्वरूप अग्रवाल लॉयन्स आई हॉस्पिटल, सिंधी कैंप सरावली मंडावर के अनुभवी नेत्र चिकित्सक मरीजों की जांच कर परामर्श देंगे। शिविर में मोतियाबिंद, काला पानी, नाखूना, आंखों के नंबर सहित अन्य नेत्र रोगों की निःशुल्क जांच की जाएगी। चिकित्सकीय परामर्श के बाद चयनित मरीजों को भर्ती कर मोतियाबिंद का ऑपरेशन भी पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा।

ईओ की हठधर्मिता का मामला; पालिकाध्यक्ष ने ईओ पर बैठक नहीं करने का लगाया आरोप

नगरपालिका में बोर्ड बैठक को लेकर अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी के बीच बनी खींचतान।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा नगरपालिका मंडल में 23 जनवरी को होने वाली बोर्ड बैठक के आयोजन को लेकर पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी और अधिशासी अधिकारी जैकी राम गोयल के बीच बनी खींचतान तेज हो गई है। पालिकाध्यक्ष मंडावा को एक तिहाई से अधिक सदस्यों के लिखित अनुरोध पर पालिका अध्यक्ष नरेश कुमार सोनी ने 23 जनवरी को 11 बजे झुंझुनू रोड़ स्थित अम्बेडकर भवन सभागार में विशेष बैठक होनी प्रस्तावित है। आयोजित होने वाली इस बैठक को लेकर अधिशासी अधिकारी जैकी राम गोयल ने इसे अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए अस्वीकार कर रहे हैं, जबकि अध्यक्ष सोनी अधिनियम 2009 की धारा 48 व 51 के तहत बैठक बुलाने का हवाला दे रहे हैं। पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी ने बताया कि जनहित का मुद्दा लेकर पार्षदों ने उन्हें पत्र लिखकर बैठक आयोजित की मांग उठाई। उन्होंने बताया कि ईओ की मनमर्जी से उक्त बैठक नहीं होनी बताई जा रही है। उन्होंने बैठक का एजेंडा बताते हुए कहा है कि वार्ड 6 में हरलालका हवेलियों की स्थिति पर विचार, बिसाऊ चौराहे का नाम 'अम्बेडकर चौराहा' रखने पर चर्चा, खेल स्टेडियम का नाम 'श्री रतिनाथ खेल स्टेडियम' रखने सहित अन्य जनहित के मुद्दों पर निर्णय शामिल हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब 3 अक्टूबर 2025 को 9 से अधिक सदस्यों के हस्ताक्षर युक्त पत्र लिखकर अधिशासी अधिकारी को जनहित में बोर्ड बैठक की मांग की पर ईओ ने इसको नकार दिया। पार्षद शशी सैनी के नेतृत्व में पार्षदों ने बताया कि ईओ जैकी राम गोयल की हठधर्मिता बताते हुए कहा कि विगत 6 माह से कोई बैठक न आयोजित करके अध्यक्ष व सदस्यों के अधिकारों पर कुठाराघात कर रहे हैं। वहीं 19 जनवरी 2026 को पत्रांक एसपील-02 में ईओ जैकी राम गोयल ने स्पष्ट किया कि नियम 2010 के नियम 3 के तहत बैठक आहूत करना उनका दायित्व है, न कि अध्यक्ष का। इसके जवाब में अध्यक्ष ने पत्र क्रमांक 4746 (19 जनवरी 2026) का हवाला देते हुए कहा कि नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 48 व 51 के तहत विशेष बैठक बुलाई गई है। उन्होंने 6 माह की लापरवाही को लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ बताते हुए उपस्थिति सुनिश्चित करने के आदेश देते हुए बैठक की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पार्षद सैनी ने बताया कि 6 फरवरी को बोर्ड का कार्यकाल समापन की ओर है, ऐसे में गतिरोध बढ़ सकता है। हरलालका हवेलियों का मुद्दा भी गरमाया हुआ है। 13 अक्टूबर 2025 के पत्र में कहा गया कि ये हवेलियां समाचार पत्रों व सोशल मीडिया पर चर्चित हैं। विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने ध्वस्तीकरण हेतु प्रशासन को ज्ञापन सौंपे हैं। जनप्रतिनिधियों से आग्रह है कि इस संवेदनशील विषय पर शीघ्र चर्चा हो। स्थानीय निवासी इस विवाद से चिंतित हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि नियमों का सही पालन न होने से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पालिकाध्यक्ष ने बोर्ड सदस्यों से अपील है कि नियत समय पर बैठक में शामिल होकर जनता के मुद्दों के हित में निर्णय लेने चाहिए।

राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजना अन्नपूर्णा रसोई का शुभारंभ

जरूरतमंदों को स्वच्छ,पौष्टिकर सस्ता भोजन उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता: गोयल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

राज्य सरकार की जरूरतमंदों के लिए चलाई जा रही महत्वकांक्षी योजना अन्नपूर्णा रसोई घर का आज पालिका अधिशाषी अधिकारी जैकी राम गोयल ने विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर पालिका अधिशाषी अधिकारी जैकी राम गोयल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जरूरतमंदों को सस्ते दामों पर पौष्टिक ओर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करवाने की महत्वपूर्ण योजना अन्नपूर्णा रसोई का आज विधिवत शुभारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि जरूरतमंदों को सस्ता भोजन उपलब्ध करवाने की राज्य सरकार की मंशा अनुरूप अन्नपूर्णा रसोई घर को शुरू कर दिया गया है। पालिका अधिशाषी अधिकारी जैकी राम गोयल ने बताया कि इस योजना में दो रसोई घर का अलग अलग स्थानों पर संचालन होना है जिसमें एक मुकुंदगढ़ रोड़ स्थित सीएचसी के पास शुभारंभ के दिया गया है और एक शीघ्र ही शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की मंशानुसार कोई भी जरूरतमंद भूखा नहीं सोए जिसको लेकर अन्नपूर्णा संस्थान शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी को स्वच्छ स्थान पर कम लागत में स्वादिष्ट, गुणवत्ता ओर पौष्टिक भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस अवसर पर पालिका अधिशाषी अधिकारी जैकी राम सहित अन्य स्टाफ सदस्यों ने शुभारंभ के पश्चात हलवा, पूरी, सब्जी का स्वाद लिया। इस अन्नपुर्णा रसोई संस्थान का संचालन कांता मंदिर सहायता समूह उदयपुरवाटी द्वारा संचालित किया जा रहा है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल का 62वां जन्मदिन धूमधाम से मना, डीजे की धुनों पर थिरके कार्यकर्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल का 62वां जन्मदिन सोमवार को बीकानेर में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनके निवास और फार्म हाउस पर सुबह से ही बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। जिले भर से पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने अपने लोकप्रिय नेता को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।जन्मदिन समारोह के दौरान डीजे की धुनों पर देशभक्ति और राजस्थानी गीतों के बीच कार्यकर्ताओं ने जमकर नृत्य किया और आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया। समर्थकों ने गोविंद राम मेघवाल को मालाएं पहनाकर, साफा बांधकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद केक काटकर उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की गई। पूरे आयोजन में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। कार्यक्रम में बीकानेर जिले की कई पंचायतों और गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। विशेष रूप से ग्राम पंचायत सम्मेवाला से कांग्रेस के वरिष्ठ और युवा नेताओं का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल जन्मदिन की बधाई देने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से राजेंद्र मेघवाल 2DO (वरिष्ठ युवा नेता, कांग्रेस), करीम खान (सरपंच), सफी खान व आम सिंह (पूर्व सरपंच), अमोलख राम, झंडा राम और भीमा राम 2AD, मोहन जी गढ़वीर, पप्पू राम गढ़वीर, भाना राम गढ़वीर तथा फोटा राम 8AD शामिल रहे। जन्मदिन पर मिले स्नेह और सम्मान से अभिभूत पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने सभी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का प्रेम और जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है, जो उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने सभी से एकजुट होकर क्षेत्र के विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए काम करने का आह्वान भी किया। समारोह में जिले के अन्य क्षेत्रों से भी सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीणजन मौजूद रहे। आयोजन शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, वहीं जन्मदिन समारोह क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

फतेहाबाद के राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा में घरेलू हिंसा पर छात्राओं को किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा में महिला प्रकोष्ठ व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में घरेलू हिंसा विषय पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. लखबीर कौर ने की। इस अवसर पर महिला थाना फतेहाबाद की अतिरिक्त एसएचओ सब इंस्पेक्टर प्रियंका ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं और एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित किया। उन्होंने घरेलू हिंसा के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक रूपों पर विस्तार से जानकारी दी तथा इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों और महिलाओं के अधिकारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को घरेलू हिंसा की स्थिति में उपलब्ध कानूनी सहायता, शिकायत प्रक्रिया और सुरक्षा उपायों के बारे में भी अवगत कराया। व्याख्यान का उद्देश्य छात्राओं को घरेलू हिंसा के खिलाफ सशक्त बनाना और उनमें कानूनी जागरूकता विकसित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रश्न पूछकर विषय की गहन समझ विकसित की। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी डॉ. शकुंतला सिहाग, सहायक प्राध्यापक रमन, महिला प्रकोष्ठ की सदस्य मंजू बाला, सुमन, भतेरी सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहें।

राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) की संभाग स्तरीय बैठक संपन्न

निदेशालय घेराव और प्रदेशव्यापी आंदोलन की रणनीति तैयार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) की एक महत्वपूर्ण जिला व संभाग स्तरीय बैठक आनंद निकेतन में आयोजित की गई। प्रदेश नेतृत्व की मौजूदगी में हुई इस बैठक में शिक्षक हितों की रक्षा और संगठन की मजबूती को लेकर आगामी प्रदेशव्यापी आंदोलन का बिगुल फूंका गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार पंवार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री सोहनलाल जौहरम एवं प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण बारूपाल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश संरक्षक केशरीचंद जनागल, सोहनलाल गोयल और मोड़ा राम करेला ने शिरकत कर मार्गदर्शन दिया। बीकानेर शिक्षा निदेशालय पर प्रस्तावित आंदोलन को लेकर बैठक में गंभीर मंथन हुआ। वरिष्ठ शिक्षकों के सुझावों के बाद आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से चलाने का निर्णय लिया गया। निदेशालय के बड़े प्रदर्शन से पहले राजस्थान के सभी जिला मुख्यालयों पर एक दिवसीय धरना देकर शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए निदेशालय पर प्रस्तावित धरने को फिलहाल एक दिवसीय रखने पर सहमति बनी है।

जूम मीटिंग से होगा अंतिम निर्णय

आंदोलन की सटीक तिथियों और सूक्ष्म कार्ययोजना के निर्धारण हेतु आज सायं 7:00 बजे एक प्रदेश स्तरीय ऑनलाइन बैठक बुलाई गई है, जिसमें अंतिम ब्लूप्रिंट जारी किया जाएगा। बैठक के प्रारंभ में संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष भंवर लाल के पिता श्री कृपा राम जी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। प्रदेश पदाधिकारियों ने कोलासर स्थित उनके निवास पर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष भगवान सहाय मीना, निदेशालय मंत्री दिन दयाल जनागल, जोत राम मेघवाल, पूरा राम, चुनी लाल, बनवारी लाल, भेरा राम पंवार, कोशल कडेला, जिला महामंत्री राजेश जनागल, जिला कोषाध्यक्ष मुकेश, जिला मंत्री भँवर लाल परिहार, राजेंद्र जनागल और मनोज लेखाला सहित बड़ी संख्या में शिक्षक नेता व पदाधिकारी मौजूद रहें। संगठन की एकता ही हमारे संघर्ष की शक्ति है। निदेशालय घेराव को सफल बनाने के लिए प्रदेश के प्रत्येक शिक्षक और कार्यकर्ता की सहभागिता अनिवार्य है।

आईसीसी बैठक में बांग्लादेश की टी20 विश्व कप मैच भारत से बाहर रखे जाने की मांग खारिज

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कांउंसिल (आईसीसी) ने यहां हुई एक बैठक के बाद बांग्लादेश की टी20 विश्वकप के लिए मैच स्थल बदलने की मांग खारिज कर दी है। इससे पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में खेलने से इंकार करते हुए कहा था कि उसके मैचों को श्रीलंका में रख दिया जाये। आईसीसी ने इस मामले में आंखिरकार अंतिम फैसला सुना दिया है। आईसीसी ने बीसीबी की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने खेलने की मांग को ठुकरा दिया है। इसे लेकर वोटिंग की गई और 14-2 के बहुमत के बाद बांग्लादेश की भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग को खारिज किया गया। इसी के साथ ही अब यदि बांग्लादेश टीम भारत में नहीं खेलने की मांग पर अड़ी रहती है तो उसे टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। बांग्लादेश टूर्नामेंट में ग्रुप सी में है। उन्हें अपने पहले तीन मैच 7, 9 और 14 फरवरी को कोलकाता में और आखिरी मैच 17 फरवरी को मुंबई में खेलना है।

आईसीसी की बैठक इसके चेयरमैन जय शाह के साथ बीसीबी प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम, बीसीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया, श्रीलंका बोर्ड के प्रेसिडेंट शम्मी सिल्वा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, सीए चेयरमैन माइक बेयर्ड सहित सभी बोर्ड प्रमुख शामिल थे। गौरतलब है कि बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप नहीं खेलने की मांग की थी। अब अगर बीसीबी आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट से हटता है, तो आईसीसी स्कॉटलैंड को सीधे ग्रुप सी में शामिल कर लेगा।

इंडोनेशिया मास्टर्स में सिंधु ने की जीत से शुरुआत, श्रीकांत भी अगले दौर में पहुंचे

जकार्ता (एजेंसी)। भारत की पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं अन्य खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा है।

सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर में जापान की मनामी सुइजू को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 22-20, 21-18 से हराया। 53 मिनट तक चले इस मैच का पहला गेम जीतकर सिंधु ने बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में भी सिंधु ने ये सिलसिला बनाये रखा। दूसरे दौर में सिंधु का मुकाबला डेनमार्क की लाइन केयर्सफील्ड और चीनी की हान कियासी के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

वहीं पुरुष एकल में श्रीकांत को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। श्रीकांत ने जापान के कोकी वतनाबे (जापान) को 21-15, 21-23, 24-22 से हराया। यह मुकाबला 1 से अधिक समय तक चला। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच काफी कड़ा मुकाबला हुआ पर अंत में श्रीकांत ने बाजी मार ली। अब श्रीकांत का मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा। तिएन ने एक अन्य मुकाबले में आयरलैंड के न्हाट गुयेन को 21-14, 21-15 से पराजित किया।

भारत के ही किरण जॉर्ज पुरुष एकल के पहले दौर में ही इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्लाह से 21-17, 21-14 से हार गये। इसके अलावा महिला सिंगल्स में आकार्शी कश्यप को डेनमार्क की जूली डावॉल जैकबसेन ने 8-21, 22-20, 21-17 से पराजित किया। मिश्रित युगल में भी भारतीय खिलाड़ी असफल रहे। ध्रुव कपिला और तनिष क्रास्टो को फ्रांस की जूलियन माओ और लिया पालेर्मो की जोड़ी ने 21-23, 22-20, 21-6 से पराजित किया। इसके अलावा रोहन कपूर और रुथविका की जोड़ी को फ्रांस की थॉम गिकेल और डेल्फिन डेलरू के हाथों 21-9, 22-20 से हार का सामना करना पड़ा।

आरसीबी और रॉयल्स 27 जनवरी तक बतायें घरेलू मैदान का नाम : बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 2026 सत्र में घरेलू मैदान को लेकर राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मामला अभी तक हल नहीं हुआ है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इन दोनो को 27 जनवरी तक का समय दिया है। तब तक इन दोनो को बताना होगा कि ये दोनो अपने मैच घरेलू मैदान पर ही चाहते हैं या किसी अन्य स्थल को घरेलू मैदान मान सकते हैं। दोनो ही टीमों को शायद ही घरेलू मैदानों पर खेलने का अवसर मिल पाये। रॉयल्स को जयपुर इसलिए नहीं मिल सकता क्योंकि राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के चुनाव नहीं हुए हैं। वहीं बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 की जीत के बाद मैदान में हुए जश्न के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गयी थी। उसको देखते हुए अब आईपीएल आयोजक उसे यहां खेलने की अनुमति देंगे इसकी संभावना नहीं है। ऐसे में रॉयल्स अपने घरेलू मैच पुणे में खेल सकती है, जबकि आरसीबी डीवाई पाटिल स्टेडियम में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच रख सकती है। नवी मुंबई में मैच आयोजित कराने के लिए आरसीबी को मुंबई इंडियंस से अनुमति लेनी होगी, क्योंकि आईपीएल के नियमों के मुताबिक, एक शहर में दो टीमों के मैच आयोजित नहीं हो सकते हैं। आरसीबी के मालिक इसलिए भी बेंगलुरु के मैदान पर अधिक जोर नहीं देंगे क्योंकि नये कानून के अनुसार अगर कोई घटना होती है तो उन्हें जिम्मेदार माना जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होने वाली है और फाइनल मुकाबला 31 मई को आयोजित होगा।

अंडर-19 यूथ विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजचुक ने 51 गेंदों ही शतक लगाकर वैभव का रिकार्ड तोड़ा

विंडहॉक (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल मलाजचुक ने अंडर-19 विश्वकप में जापान के खिलाफ मुकाबले में 51 गेंदों में ही शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के अलावा एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। अब विल अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पाकिस्तान के समीर मिन्हास के नाम था। मिन्हास ने केवल 42 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं अपनी इस पारी से विल ने भारत के वैभव सूर्यवंशी का रिकार्ड जरुर तोड़ दिया वैभव ने 52 गेंदों में शतक लगाया था। इस मैच में विल की तूफानी पारी से ऑस्ट्रेलिया ने जापान को

आठ विकेट से हराकर ग्रुप-ए में लगातार दूसरी जीत हासिल की है।

इस मैच में जापानी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन बनाये। सबसे अधिक 79 रन ह्यूगो केली ने बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से नादोन कूराय ने तीन जबकि विल बायरम ने दो विकेट लिए। इसके बाद 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत धमाकेदार रही। विल मलाजचुक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन बनाये और 51 गेंदों में शतक लगा दिया।। इसके साथ ही वह विश्कप में सबसे तेज शतक लगाने वो दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। यूथ वनडे में सबसे तेज शतक का रिकार्ड पाकिस्तान के समीयर मिन्हास के नाम है। मिन्हास ने 42 गेंदों में ही शतक लगाया था। वहीं भारत के वैभव 52 गेंदों में शतक के साथ ही तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। मलाजचुक इस मैच में 12 चौके और पांच छक्के लगाकर 102 रन बनाये जबकि सैमुअल ने 60 रन बनाये जिससे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जापान को हरा दिया।

पर्थ स्कॉर्चर्स बीबीएल लीग के फाइनल में पहुंची

पर्थ। पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम ऑस्ट्रेलिया में जारी घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। स्कॉर्चर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में सिडनी सिक्सर्स को 48 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। सिडनी सिक्सर्स ने क्वालिफायर मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु करते हुए 9 विकेट पर 147 रन बनाए। उसकी ओर से फिन एलेन ने 30 गेंद पर सबसे अधिक 49 रन बनाये। वहीं कप्तान एश्टन टर्नर ने 29 जबकि झे रिचर्डसन ने 20 रन बनाये। सिडनी सिक्सर्स की ओर से मिचेल स्टार्क, बेन ड्वारशुईस और जैक एडवॉर्ड्स ने 2-2 विकेट लिए जबकिजोएल डेविस और बेंजामिन मानेंटी को 1-1 विकेट मिला। इसके बाद जीत के लिए मिले 148 रन रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिडनी सिक्सर्स के बल्लेबाज असफल रहे और टीम 15 ओवर में केवल 99 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे 48 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। स्टीव स्मिथ ने 24 गेंदों पर सबसे ज्यादा 37 रन की पारी खेली। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज पर्थ के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। बाबर आजम फिर फ्लॉप रहे और 2 गेंदों पर बिना खाता खोले आउट हो गए। वहीं स्कॉर्चर्स की ओर से महली बियर्डमैन ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि कूपर कोनोली और डेविड पायने को 2-2 विकेट मिले। झे रिचर्डसन और आरोन हार्डी ने 1-1 खिलाड़ी को आउट किया। लीग का फाइनल मुकाबला 25 जनवरी को खेला जाएगा।

एम्बाप्पे ने दागे दो गोल, रियल मैड्रिड ने मोनाको को हराया

मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे ने अपने पुराने क्लबों में से एक के खिलाफ दो गोल किए जिससे रियल मैड्रिड ने घरेलू मैदान पर मोनाको को 6-1 से हराकर चैंपियंस लीग

शुरुआती चरण के टॉप आठ में जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। स्ट्राइकर एम्बाप्पे ने मंगलवार को खेले गये मुकाबले में फेडे वाल्वरडे के थ्रू बॉल पर शानदार फिनिश के साथ पांचवें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को बढ़त दिलाई और फिर 26वें मिनट गोलकर हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। मैच का तीसरा गोल फ्रेंको मास्टांटोनो ने 51वें मिनट में किया। फिर थिलो केहरर ने 55वें मिनट में गेंद को अपने ही नेट में डाल दिया। विनिसियस जूनियर ने गोलकर स्कोर 5-0 किया और जूड बेलिंघम ने छठा गोल किया। वहीं मोनाको के लिए एकमात्र गोल जोर्डन तेजे ने किया।

शुभमन अपने खिलाड़ियों का बेहतर प्रयोग नहीं कर पाये : अश्विन

चेन्नई। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बीच के ओवरों में प्रबंधन की कमी दिखी। अश्विन के अनुसार सही से गेंदबाज रोटेट नहीं किये गये। विशेषकर दूसरे ओर तीसरे एकदिवसीय में बीच के ओवरों में संसाधनों का सही से उसयोग नहीं किया गया जिससे मुकाबल भारतीय टीम के हाथों से निकल गये। अश्विन के अनुसार जब मैच दांव पर लगा था, तब शुभमन अपने सबसे बेहतर खिलाड़ियों का सही से उपयोग नहीं कर पाए। अश्विन ने डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ स्पिनर कुलदीप के इस्तेमाल के तरीके पर भी सवाल उठाये।अश्विन ने कहा, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की कप्तानी की इतनी तारीफ इसलिए होती रही है क्योंकि उन्हें पता होता है कि अपने संसाधनों का इस्तेमाल कहां और कब करना है और किस बल्लेबाज के खिलाफ। इस सीरीज में इस बात की थोड़ी कमी नजर आयी। अश्विन ने सुझाव दिया कि शुभमन के फैसले पिछले मैचों की विफलता से प्रभावित लग रहे थे, जिससे अहम तीसरे मैच उनके गेंदबाजों पर उनका भरोसा कम हो गया जबकि पिछले मैच के आधार पर किसी गेंदबाज को नहीं आंका जाना चाहिये। अश्विन ने कहा कि शुभमन के पास एक तरीका विफल होने पर प्लान बी नहीं था। उन्होंने कहा, अगर आप संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हैं और फिर भी असलता मिलती है, तो कोई बात नहीं पर पहले सही प्रकार से प्रयोग तो करें।

प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ एस20 लीग में पूरी गंभीरता से खेलना होगा : स्टब्स

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। (ईएमएस)। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने कहा है कि प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले एसए20 लीग के पहले क्वालीफायर में उनकी टीम को पूरी गंभीरता से खेलना होगा। स्टब्स के अनुसार ये मुकाबला आसान नीं रहेगा। इसलिए हमें जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने टीम को अतिआत्मविश्वास से बचने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है पर लीग चरण में शीर्ष पर होने से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। इसलिए बुधवार को होने वाले मैच में उन्हें अच्छी शुरुआत करनी होगी। गौरतलब है कि पहली बार स्टब्स की कप्तानी में खेलते हुए सनराइजर्स की टीम ने 10 मैच में से पांच मैच जीतकर तालिका में 28 अंक के साथ नंबर एक स्थान हासिल किया है।

स्टब्स ने कहा, ' लीग में नंबर एक होना जीत की गारंटी नहीं है। यह अच्छा है कि हमने पूरे सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन प्ले ऑफ से पहले हमें पता है कि आप हर मैच में शून्य से शुरुआत करते हैं। प्ले ऑफ से पहले लय हासिल करना अच्छा है लेकिन इसका कोई खास मतलब नहीं है।' गत उप विजेता सनराइजर्स ने अब तक चारों सत्र में प्ले ऑफ में जगह बनाई है और उन्होंने कहा कि पुराने अनुभवों से भी टीम को लाभ होगा।

स्टब्स ने कहा, 'निश्चित तौर पर मुझे तो ऐसा ही लगता है। मुझे लगता है कि हमारे पास बहुत से ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले भी इन मुकाबलों में खेल चुके हैं और जानते हैं कि इसे जीतने के लिए क्या करना पड़ता है। इससे निश्चित रूप से मदद मिलती है लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा, यह अब भी क्रिकेट का खेल है। ।'

स्टब्स ने अपनी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की सराहना की जिन्होंने इस सत्र में चार अर्धशतक की मदद से 328 रन बनाये हैं। कप्तान ने कहा, 'डिकॉक ने हमारे लिए शानदार प्रदर्शन किया है। जिस तरह से उन्होंने मैदान पर और मैदान के बाहर आगे बढ़कर अगुआई की है वह युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छे रहे हैं।' स्टब्स ने क्रिस ग्रीन की भी जमकर तारीफ की जिन्होंने एमआई केपटाउन के खिलाफ खेलते हुए 29 रन देकर तीन विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : डेनियल मेदवेदेव शुरुआती मुश्किलों से बचकर तीसरे राउंड में पहुंचे

मेलबर्न। रूस के डेनियल मेदवेदेव बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में फ्रांसीसी खिलाड़ी क्वेंटिन हैलिस के खिलाफ शुरुआती मुश्किलों से बच गए, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत करके 6-7(9) 6-3 6-4 6-2 से जीत हासिल की। मेलबर्न पार्क में तीन बार के फाइनलिस्ट मेदवेदेव ने पहले सेट में एक घंटे से ज्यादा समय तक संघर्ष किया, लेकिन एक कड़े टाईब्रेक के बाद हार गए। रूसी खिलाड़ी का दूसरे सेट में भी दुनिया के 83वें नंबर के खिलाड़ी ने शुरुआती गेम तोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने अपनी लय वापस पाई और मैच बराबर कर लिया। 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने तीसरे सेट में बेसलाइन पर नियंत्रण रखा और शुरुआती ब्रेक पॉइंट को भुनाया और उसके बाद आक्रामक सर्विस गेम खेला। फिर मेदवेदेव ने हैलिस के कमजोर रिटर्न का फायदा उठाते हुए ज़ोरदार ग्राउंडस्ट्रोक से जीत हासिल की और तीसरे राउंड में पहुंच गए। जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं ब्रिस्बेन में बहुत बेहतर खेल रहा था। मैं अभी भी यहां के कोर्ट के हिसाब से पूरी तरह से ढल नहीं पाया हूं। मुझे लगता है कि मेरे शॉट्स में थोड़ी पावर की कमी है। लेकिन जब आप किसी टूर्नामेंट में जीतते रहते हैं, तो आप धीरे-धीरे इसमें ढल जाते हैं। यह पिछले कुछ सालों में पहली बार है जब मैं किसी ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में हूँ, इसलिए अच्छा महसूस कर रहा हूं।'

घर से टी20 वर्ल्ड कप देखना थोड़ा अजीब लगेगा: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। भारत के 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान रोहित शर्मा जियोहॉटस्टार के 'कैप्टन रोहित शर्माज रोडमैप फॉर टी20 वर्ल्ड कप' में जतिन सप्रू के साथ बैठे, जहां उन्होंने पहले टी20 वर्ल्ड कप के बारे में बात की जिसमें वह हिस्सा नहीं लेंगे, अपने टीम के साथियों के साथ बनाए गए रिश्तों और बॉन्ड के बारे में अपने विचार शेयर किए, मुश्किल सिलेक्शन के फैसले लेने और आने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम के बारे में अपनी राय बताई।

रोहित शर्मा ने माना कि अपने करियर में पहली बार टी20 वर्ल्ड कप मिस करना उनके लिए एक अजीब एहसास होगा। उन्होंने कहा, 'हम घर पर इस बारे में बात कर रहे थे कि घर से इसे देखना अजीब लगेगा, खासकर टी20 वर्ल्ड कप। जब से यह शुरू हुआ है, तब से अब तक मैं हर वर्ल्ड कप का हिस्सा रहा हूं, इसलिए यह अलग लगेगा। जब मैं टीम को टी20 मैच खेलते हुए देखता हूं, तो मिस करने का एहसास उतना नहीं होता। लेकिन जब आप वर्ल्ड कप मिस करते हैं, तो असलियत का एहसास होता है। तभी आपको पता चलता है कि आप इसका हिस्सा नहीं बनने वाले हैं। तो यह थोड़ा अजीब लगेगा। हालांकि, मैं स्टेडियम में कहीं रहूंगा। यह वैसा नहीं होगा और यह एक अलग अनुभव होगा, लेकिन मैं असल में इसके लिए उत्सुक हूं। यह काफी शानदार होगा।'

अपनी कप्तानी के दौरान टीम के साथियों के बीच सम्मान पाने और रिश्ते बनाने के बारे में रोहित ने कहा, 'खिलाड़ियों के साथ अभी भी वैसा ही रिश्ता होना बहुत अच्छा लगता है और यही मैं हमेशा टीम में चाहता था, किसी भी चीज पर खुलकर बात करना, सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि जिंदगी के बारे में भी, खेल के बाहर की कोई भी बात। जिंदगी में क्या चल रहा है, घर पर क्या हो रहा है, इस तरह की बातें। मैं हमेशा वैसा ही इंसान बनना चाहता था, क्योंकि मुझे पता है कि जब आप पहली बार टीम में शामिल होते हैं, तो खुलने में समय लगता है। इसलिए, जब मैं यहां बैठा होता हूं या जब मैं टीम के ड्रेसिंग रूम में जाता हूं, तो मैं कभी नहीं चाहता कि किसी को ऐसा लगे कि उन्हें खुलने में समय लगेगा।'

भारतीय ओपनर ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि उन्हें लगे कि वे बस आकर खुलकर बात कर सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे सोचें कि उन्हें आकर बात करनी चाहिए या नहीं। मैं कभी नहीं चाहता था कि किसी के मन में ऐसा ख्याल आए। मैं जितना हो सके उतना खुला और सीधा रहने की कोशिश करता हूं, और इसीलिए ये लोग मेरा बहुत मजाक उड़ाते हैं। कोई सीमा नहीं है; हमेशा एक खुला दरवाजा होता है। साथ ही, हम एक-दूसरे की टांग खींचते हैं, खैर, हम नहीं, वे मेरी टांग खींचते हैं। मैं हमेशा ऐसा ही माहौल चाहता था, और मुझे यह सच में बहुत पसंद है।'

टीम में एकजुटता और पुरुष टी20 वर्ल्ड कप इंडिया और श्रीलंका 2026 के लिए भारतीय टीम के बारे में रोहित ने कहा, 'मुझे लगता है कि एकजुटता और आपसी भरोसा सबसे जरूरी चीजें हैं। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो ये खिलाड़ी लगभग 2 साल से एक साथ खेल रहे हैं। कुछ खिलाड़ी बाहर हुए हैं और कुछ नए आए हैं, लेकिन इसके अलावा, मुझे लगता है कि पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद से लगभग 80 से 90 प्रतिशत टीम वही रही है। जब मैं मैच देखता हूं, तो मुझे लगता है कि टीम में आपसी समझ बहुत अच्छी है, जो एक साथ खेलने से बनी है।'

रोहित ने कहा, 'एक अच्छी बात यह है कि कुछ अपवादों को छोड़कर, लगभग सभी खिलाड़ी एक ही उम्र के हैं। वैसे, मुझे लगता है कि औसत उम्र शायद 25 के आस-पास है, जो हमेशा अच्छा होता है, क्योंकि जब आप वर्ल्ड कप में जा रहे होते हैं, तो आपको बहुत सारी बातचीत, खुलकर बातचीत और कुछ मुश्किल बातचीत भी करनी पड़ती है, क्योंकि एकमात्र लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतना होता है। इसके लिए, अगर आपको कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़ते हैं, जिससे आपके साथ खेलने वाले किसी खिलाड़ी, यहाँ तक कि किसी

करीबी दोस्त को भी बुरा लग सकता है, तो भी ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों के बीच इस तरह का रिश्ता बनाना बहुत जरूरी है।'

टी20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया 2022 टीम और उससे पहले एशिया कप से श्रेयस अय्यर को बाहर रखने पर उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड कप से पहले ऐसे मुश्किल फैसले लेने के कई मौके आए हैं। मुझे 2022 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान श्रेयस अय्यर की बात याद आती है। मुझे आज भी याद है कि हम वेस्टइंडीज में खेल रहे थे। राहुल भाई और मुझे हमेशा लगता था कि अगर आप ऐसे फैसले ले रहे हैं, तो यह जरूरी है कि उस खिलाड़ी को पता चले कि आप ऐसा क्यों कर रहे हैं। मुझे याद है कि हमने श्रेयस को पूल के पास बुलाया, और राहुल भाई और मैंने दोनों ने उससे बात की कि वह उस एशिया कप और उसके बाद होने वाले टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा क्यों नहीं होगा।'

उथप्पा बोले, हर प्रारुप के लिए अलग-अलग कोच रखा जाये

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि भारतीय टीम के लिए अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच बनाये जाने चाहिये। उथप्पा के अनुसार एक ही कोच के लिए हर सीरीज के बाद अपने माइंडसेट को बदलाना आसन नहीं होता है। साथ ही कहा कि आजकल इतना क्रिकेट हो रहा है कि एक कोच मानसिक रुप से थक जाता है। कोच को हर प्रारुप के अनुसारन रणनीति बदलनी पड़ी है और ये काफी कठिन काम होता है। जिस प्रकार से भारतीय टीम उन्यूज़ीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में हारी है। माना जा रहा है कि उसी को उसको देखते हुए उथप्पा ने ये बयान दिया है। टीम की हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठते है। उनके कोच रहते भारतीय टीम घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद एकदिवसीय सीरीज भी हारी है। यह पहली बार था जब न्यूीलैंड टीम भारत में कोई एकदिवसीय सीरीज जीतने में सफल रही। ऐसे में उथप्पा के बयान के बाद गंभीर पर दबाव बढ़ना तय है। उथप्पा का मानना है कि एक ही कोच पर सभी प्रारुपों का बोझ डालना सही नहीं है। उथप्पा ने कहा, मैं अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग कोच रखने के विचार के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। भारत बहुत ज्यादा क्रिकेट खेलता है। एक प्रारुप से दूसरे में जाते वक्त दिमाग भी थक जाता है उन्होंने साथ ही कहा कि जब कोई कोच एक एक प्रारुप में लीन रहता है तो दूसरे की तैयारी करना कठिन हो जाता है। ऐसे में नये माइंडसेट और उर्जा की जरुरत होती है। ऐसे में अलग-अलग कोच रहना फायदेमंद रहेगा।उथप्पा ने हालांकि ये भी माना है कि कि अलग-अलग कोच रखने का फैसला करना आसान फैसला नहीं होगा। इसमें सभी कोचों को एक-दूसरे के साथ तालमेल रखते हुए काम करना होगा।

धनुष और मृणाल ठाकुर नहीं कर रहे शादी!

मृणाल ठाकुर और धनुष की शादी को लेकर खबरें जोरों पर हैं। दोनों ने इस बात को लेकर कुछ नहीं कहा लेकिन फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। हालांकि, नई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ये बातें निराधार हैं और इनका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है।

धनुष और मृणाल ठाकुर की शादी शुक्रवार की सुबह फैंस को खबर मिली कि एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और धनुष फरवरी 2026 में शादी करने वाले हैं। जैसे-जैसे यह खबर फैलती गई, फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करना शुरू कर दिया। हालांकि, अब पता चला है कि फैंस को इस खुशी के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। नई जानकारी के अनुसार, इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। सूत्र ने बताया, मृणाल की शादी अगले महीने नहीं हो रही है। यह एक अफवाह है जो फैल चुकी है। सूत्र ने आगे बताया कि मृणाल की फिल्म दो दीवाने शहर में की रिलीज भी उसी डेट के आसपास है, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं।

मृणाल ठाकुर से नहीं हो रही धनुष की शादी

सूत्रों के अनुसार, फरवरी में उनकी एक फिल्म रिलीज होने वाली है, तो वो रिलीज के इतने करीब शादी क्यों करेंगी? और फिर मार्च में उनकी एक और तेलुगू फिल्म रिलीज होने वाली है। मृणाल और धनुष काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कब और कैसे शुरू हुआ ये सब

यह सब अगस्त 2025 में शुरू हुआ, जब मृणाल अपनी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के प्रीमियर पर धनुष के आने पर उनसे मिलने दौड़ पड़ीं। इस पर इंटरनेट यूजर्स ने खूब तारीफ की और कहा कि धनुष खास तौर पर मृणाल को सपोर्ट करने के लिए स्क्रीनिंग में आए थे।

विक्रम फडनीस की फिल्म में लीड रोल प्ले करेंगी सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर नए साल की शुरुआत एक नए और खास प्रोजेक्ट के साथ करने जा रही हैं। वह मशहूर फैशन डिजाइनर से निर्देशक बने विक्रम फडनीस की अगली अनटाइटल्ड फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और यह सैयामी के करियर का एक अहम पड़ाव मानी जा रही है। यह फिल्म एक इमोशनल ड्रामा है, जिसमें सैयामी लीड रोल निभा रही हैं। उनके साथ विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस प्रोजेक्ट का निर्माण रील यूफोरिया और नाइट स्काई मूवीज के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म की घोषणा करते हुए सैयामी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सेट से पहली झलक साझा की। तस्वीर में वह फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा... और आज हर खामोश दुआ अपने घर पहुंच गई। नया साल, नई शुरुआत। हमेशा की तरह मुझे आप सभी की दुआओं की जरूरत है। इस पोस्ट से सैयामी की खुशी और उत्साह साफ झलक रहा है। इस फिल्म के जरिए विक्रम फडनीस निर्देशन में अपनी तीसरी फिल्म बना रहे हैं, जबकि यह उनकी पहली हिंदी निर्देशित फिल्म होगी। सैयामी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि 2026 की इससे बेहतर शुरुआत वह नहीं चाह सकती थीं। इस फिल्म में सैयामी खेर के अलावा विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी लीड रोल में दिखाई देंगे।

किताब ब्लैक रिवर पर बेस्ड होगी सैफ की अगली फिल्म

बालीवुड एक्टर सैफ अली खान हमेशा से ही अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों के लिए जाने जाते हैं। एक बार फिर वह दर्शकों के लिए कुछ खास लेकर आने की तैयारी में हैं। आने वाले दिनों में सैफ फिल्म हैवान में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार मुख्य भूमिका निभाते दिखेंगे। यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बीच सैफ अली खान ने अपनी एक नई फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी साझा की है। एक्टर ने बताया कि उनकी अगली फिल्म एक क्राइम-ड्रामा होगी, जो एक मशहूर उपन्यास पर बेस्ड है। सैफ ने खुलासा किया कि उन्होंने लेखिका निलंजना रॉय की किताब ब्लैक रिवर के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। सैफ के मुताबिक... ब्लैक रिवर उनकी पसंदीदा किताबों में से एक है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि फिल्म बनने की प्रक्रिया में थोड़ा समय लग रहा है। बता दें कि सैफ को आखिरी बार फिल्म ज्वेल थीफ में देखा गया था। इसके अलावा सैफ को आखिरी बार ज्वेल थीफ में देखा गया था। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी।

एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आ सकती हैं कृति शेट्टी

दक्षिण भारतीय फिल्म एक्ट्रेस कृति शेट्टी, बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आ सकती हैं। टाइगर ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक मिलाप जावेरी से हाथ मिलाया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसे टी-सीरीज अपने बैनर तले प्रोड्यूस करेगा। चर्चा है कि इस फिल्म में कृति शेट्टी नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग 21 जनवरी को शुरू होगी और दो महीने का शूटिंग शेड्यूल प्लान किया गया है। मुंबई की अलग-अलग लोकेशंस पर हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स फिल्माए जाएंगे, जो शहर की वाइब्रेंट बैकग्राउंड देगा। मेकर्स इस फिल्म को 2026 के दूसरे हाफ में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म का कोई टाइटल डिसाइड नहीं हुआ है। पूरी कास्ट और क्रू के बारे में और ऑफिशियल अनाउंसमेंट जल्द ही होने की उम्मीद है। बता दें कृति ने सुपर 30, एआरएम, श्याम सिंह रॉय, द वॉरियर, उप्पेना और बंगाराजू जैसी फिल्मों में काम किया है।

ऑडियंस एजेंडे के साथ फिल्म देखने नहीं आती है

फिल्मों की रिलीज के साथ सोशल मीडिया पर अचानक फैलने वाली नेगेटिविटी आज एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। कई बार रिलीज से पहले ही किसी फिल्म या एक्टर को लेकर माहौल बना दिया जाता है, जिससे लोगों की राय पहले से तय होने लगती है। इसी मुद्दे पर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने अपने मन की बात रखी है। अमर उजाला डिजिटल से की गई बातचीत में रानी ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की है।

ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ थिएटर नहीं आती

ऑडियंस हमेशा सही होती है। मैं आज भी यह नहीं मानती कि ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ फिल्म देखने आती है। लोग सिनेमाघर खुले दिल से आते हैं। लेकिन आज के दौर में खासकर सोशल मीडिया की वजह से, फिल्मों और कलाकारों को लेकर एक माहौल बना दिया जाता है। कुछ लोग या ऑडियंस का एक छोटा सा हिस्सा जान-बूझकर नेगेटिविटी फैलाता है। इस बात से मैं वाकिफ हूं।

इंसान की फितरत नेगेटिव नहीं होती

मैं दिल से मानती हूं कि कोई भी इंसान नेगेटिव नहीं होना चाहता है। हर कोई अच्छा काम करना चाहता है। हर कोई प्यार करना चाहता है। हर कोई बदले में प्यार पाना चाहता है। इसी सोच के साथ मैं भी आगे बढ़ती हूं।

सोशल मीडिया रिएक्शन पर राय

हां, आज सोशल मीडिया ऐसी जगह बन गया है, जहां लोग सही और गलत समझे बिना तुरंत रिएक्शन दे देते हैं। ऐसे में मैं बस यही दुआ करती हूं कि लोगों को थोड़ी समझ मिले। वह सोशल मीडिया पर एकदम से रिएक्शन की आदत से बचें।

विजडम बेल बटन होना चाहिए

यह मेरा सुझाव है। (हंसते हुए) सोशल मीडिया पर जैसे लाइक और डिसलाइक का बटन होता है, वैसे ही कुछ लिखने या बोलने से पहले एक सोचने वाला बटन (विजडम बेल) भी होना चाहिए। जिससे इंसान एक पल रुककर सोच सके कि वह जो कहने जा रहा है, वो सही है या नहीं।

बेटी को सोशल मीडिया से दूर रखा है

रानी मुखर्जी से जब उनकी बेटी अदिरा के सोशल मीडिया पर होने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ कहा कि बेटी अभी बहुत छोटी है। रानी की बेटी सोशल मीडिया पर नहीं है।

कॉमेडी में नैतिकता अहम है

रकुल प्रीत सिंह जल्द ही आयुष्मान खुराना और दो एक्ट्रेसेज के साथ फिल्म पति पत्नी और वो 2 में नजर आने वाली हैं।

सीक्वल की शुरुआत कैसे हुई?

सच कहूं तो मैं पार्ट 2 को लेकर पहले दिन से ही बेहद उत्साहित थी। पहले पार्ट के अंत में ही कहानी को एक दिलचस्प मोड़ पर छोड़ा गया था, जहां आयशा का नायक के परिवार से मिलना तय था। मैं मजाक में अक्सर लव रंजन से पूछती रहती थी सर, पार्ट 2 कब बनेगी? लेकिन कोविड के चलते चीजें टलती रहीं। जब लव सर और अंशुल सर ने बताया कि वे स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नरेशन सुनते ही स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैंने तुरंत हां कर दी। फिल्म में कॉमेडी सिर्फ संवादों में नहीं, बल्कि परिस्थितियों में भी है, जो इसे एक शानदार फैमिली एंटरटेनर बनाती है।

फिल्म पति पत्नी और वो 2 की शूटिंग कितनी पूरी हुई है?

फिल्म का मुख्य हिस्सा शूट हो चुका है। कुछ गाने और कुछ छोटे-मोटे पैचवर्क बाकी हैं, लेकिन हम जल्द ही इसे पूरा कर लेंगे। यह भी एक बहुत ही मजेदार प्रोजेक्ट होने वाला है।

क्या आप मल्टी-स्टारर फिल्म्स को लेकर अब ज्यादा चूजी हो गई हैं?

इस दौर में मेरे लिए सबसे अहम चीज इम्पैक्ट है। मुझे मल्टी-स्टारर फिल्मों से कोई परहेज नहीं है। पति, पत्नी और वो 2 भी एक मल्टी-स्टारर फिल्म है। मेरे लिए यह ज्यादा मायने रखता है कि मेरा किरदार कहानी में क्या योगदान दे रहा है। हर फिल्म आपके कंधों पर टिकी हो, यह जरूरी नहीं, लेकिन हर फिल्म में आपका किरदार यादगार होना चाहिए।

अजय के साथ बॉन्डिंग कैसी रही?

अजय सर को अक्सर फ्रैंकस्टर कहा जाता है, लेकिन यकीन मानिए न तो पहले पार्ट में और न ही इस बार उन्होंने मेरे साथ कोई फ्रैंक किया। वह खुद मजाक में कहते हैं कि मैं बचपन में फ्रैंक करता था, अब शांत हो गया हूं। उनके साथ काम करना सीखने जैसा होता है। वे बेहद सहज हैं और सेट पर माहौल हल्का रखते हैं, जिससे कलाकार खुलकर परफॉर्म कर पाते हैं।

आप किस तरह से किरदार की तैयारी करती हैं?

मेरा तरीका बहुत सरल है। जब मैं किसी सीन में होती हूं, तो सिर्फ उस पल और उस किरदार के भावनात्मक सच पर ध्यान देती हूं। मैं कभी यह सोचकर अभिनय नहीं करती कि मुझे यहां अच्छा दिखना है।

क्या फिल्मों में शादीशुदा महिला के रिश्ते को भारतीय दर्शक स्वीकार करेंगे?

मुझे नहीं लगता कि हमारी ऑडियंस अभी इस तरह के प्लॉट के लिए पूरी तरह तैयार है। पति पत्नी और वो जैसी फिल्मों में पुरुष की चालाकी और उसकी उलझनों से कॉमेडी पैदा होती है, जिसे दर्शक मनोरंजन के तौर पर देख लेते हैं। लेकिन अगर कोई कहानी नैतिक रूप से गलत लगती है, तो फिर चाहे वह पुरुष हो या महिला, दर्शक उसे आसानी से स्वीकार नहीं करते। महिला के लिए ऐसा प्लॉट फिलहाल स्वीकार्य होना मुश्किल लगता है।

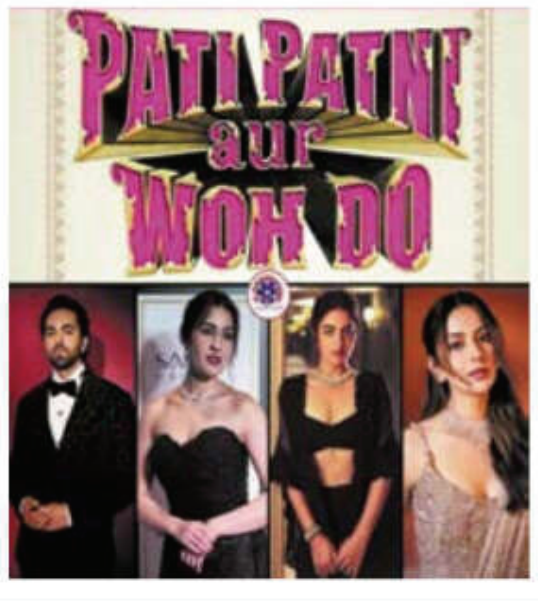

डिप्टी सीएम के दौरे से पहले पुलिस की गाड़ी लेकर भागा शराबी

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बागपत में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के प्रस्तावित दौरे से ठीक एक रात पहले पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव उस वक्त फूल गए, जब सुरक्षा में लगी एक सरकारी गाड़ी चोरी हो गई। हैरान करने वाली बात यह है कि जिस पुलिस पर जिले की सुरक्षा का जिम्मा था, एक शराबी युवक उनकी आंखों के सामने से ही सरकारी टाटा सूमो लेकर फरार हो गया। इस घटना ने पुलिस की मुस्तैदी पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे-709बी के वंदना चौक पर ट्रैफिक पुलिस की गाड़ी खड़ी थी। तभी एक नशे में धुत युवक वहां पहुंचा और मौका पाकर ड्राइवर की सीट पर बैठ गया। पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते, इससे पहले ही वह गाड़ी स्टार्ट कर रफूचक्कर हो गया। अपने सामने ही सरकारी गाड़ी को चोरी होते देख पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया और तुरंत हाईवे पर फिल्मी अंदाज में पीछा शुरू हुआ। शराबी युवक गाड़ी को मेरठ-बागपत हाईवे की तरफ तेज रफ्तार में दौड़ाता रहा। पुलिस की टीम लगातार उसका पीछा कर रही थी, लेकिन कुछ दूरी पर जाकर युवक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित टाटा सूमो सड़क किनारे एक दुकान में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान का अगला हिस्सा और सरकारी गाड़ी दोनों क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद युवक घायल होकर बेहोश हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और राहत की सांस ली। डिप्टी सीएम के संवेदनशील दौरे से पहले हुई इस चूक ने विभाग के भीतर खलबली मचा दी है।

पान मसाला विज्ञापन को लेकर सलमान कोर्ट में नहीं हुए पेश, अगली सुनवाई 5 को

मुंबई (एजेंसी)। बालीवुड के भाईजान और सुपरस्टार सलमान खान के खिलाफ पान मसाला का विज्ञापन को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी, जिसमें आरोप लगाए थे और कहा था सलमान खान और पान मसाला कंपनी जनता को

गुमराह कर रही है, क्योंकि 5 रुपए के पाउच में असली केसर का इस्तेमाल मुमकिन नहीं है। वहीं, इस मामले में मंगलवार को कोटा कंज्यूमर कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन सलमान खान अदालत में पेश नहीं हुए। अब अगली सुनवाई 5 फरवरी को तय की है और शिकायतकर्ता ने एक्टर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए जाने की गुहार लगाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये मामला बीजेपी नेता इंद्र मोहन सिंह हनी द्वारा दायर किया गया है। वकिल रिपु दमन सिंह ने बताया कि कोर्ट ने 26 दिसंबर को आदेश दिया था कि सलमान खान 20 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से पेश हों, लेकिन वे नहीं आए। परिवादी पक्ष ने कोर्ट को बताया कि इसी तरह के एक मामले में 15 जनवरी को जयपुर उपभोक्ता आयोग ने भी सलमान खान के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। बता दें अब न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी तय की है। साथ ही पहले फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हस्ताक्षरों की रसीद भी अगली तारीख पर पेश करने के निर्देश दिए हैं।

सोशल मीडिया पर वजन घटाने का उपाय... 24 घंटे में चली गई 19 साल की लड़की की जान

मदुरै (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर वजन घटाने के उपाय लोगों को आकर्षित करते हैं, लेकिन हाल ही में ऐसा ही एक उपाय एक छात्रा की जान का कारण बन गया। 19 वर्षीय कलैयारसी, जो सेलूर के मीनाम्बलपुरम की रहने वाली थी और नरिमेडु स्थित एक निजी महिला कॉलेज में स्नातक की प्रथम वर्ष की छात्रा थी, ने वजन कम करने के लिए इंटरनेट पर एक यूट्यूब वीडियो में बताए गए तरीके का सहारा लिया। वीडियो में 'वेकारम' (बोरेक्स) के सेवन से वजन घटाने की सलाह दी गई थी। पुलिस के अनुसार, कलैयारसी ने 16 जनवरी को लोकल दवा की दुकान से यह पदार्थ खरीदा और अगले दिन वीडियो के अनुसार इसका सेवन किया। इसके तुरंत बाद युवती को उल्टी और दस्त शुरू हो गए। उसकी मां ने निजी अस्पताल ले जाया, जहां उपचार के बाद लड़की को घर भेज दिया गया। शाम को लक्षण फिर उभरे और पास के एक अन्य अस्पताल में इलाज के बाद घर लौटने पर तेज पेट दर्द और मल में खून आने की शिकायत हुई। इसके बाद रात करीब 11 बजे उसकी हालत गंभीर हो गई। पड़ोसियों की मदद से सरकारी राजाजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया और मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने चेताया है कि सोशल मीडिया और इंटरनेट पर वजन घटाने के लिए साझा किए जाने वाले उपाय अक्सर खतरनाक हो सकते हैं और किसी भी दवा या पदार्थ का सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। इस दुखद घटना ने लोगों के लिए एक गंभीर संदेश छोड़ा है कि स्वास्थ्य संबंधी सलाह केवल प्रमाणित स्रोतों से ही ली जानी चाहिए।

जगन्नाथ मंदिर को बम हमले की धमकी, सुरक्षा को बढ़ाया गया

पुरी(एजेंसी)। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर को बम हमले की धमकी मिलने के बाद मंदिर परिसर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस ऑनलाइन पोस्ट के संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि फेसबुक संदेश में बीजू जनता दल (बीजद) के राज्यसभा सदस्य सुभाषीश खुंटिया और तीर्थ नगरी पुरी के एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर हमले की धमकी भी दी गई थी। अधिकारी के अनुसार, जिस महिला के अकाउंट से पोस्ट की गई थी, उस महिला ने इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इंकार कर दावा किया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम से फर्जी यूजर आईडी बनाकर दहशत फैलाने की कोशिश की होगी। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए पकड़ा है।

होली के त्यौहार के मौके पर महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देगी रेखा सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली सरकार मार्च में होली के त्यौहार के मौके पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली मंत्रिमंडल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। होली और दीपावली के मौके पर ईडब्ल्यूएस परिवारों की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 500 रुपये प्रति सिलेंडर की रियायती दर पर सिलेंडर उपलब्ध कराना, दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के घोषणापत्र का हिस्सा था।

अंतरिक्ष यात्री विलियम्स ने की कल्पना चावला की मां से मुलाकात तो भर आईं आंखें

-दोनों ने एक-दूसरे के गले लगकर स्वागत किया और पुरानी यादें की ताजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने दिवंगत अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला के परिवार से मुलाकात की। यह मुलाकात दो परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि यादों और साझा विरासतों का एक भावुक संगम था। सुनीता दिल्ली में कल्पना चावला की 90 साल की मां, संजोगता खरबंदा और उनकी बहन दीपा से मिलीं। जैसे ही सुनीता ने कल्पना की मां को गले लगाया, कमरे में सन्नाटा छा गया और आंखें नम हो गईं। दोनों ने एक-दूसरे का गले लगकर स्वागत किया जिसने पुरानी यादें ताजा कर दीं। भारत में जन्मीं अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला चालक दल के उन सात सदस्यों में से एक थीं, जिनकी फरवरी 2003 में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण मृत्यु हो गई थी।

बता दें दुर्घटना उस वक्त हुई थी जब अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के दौरान टूटकर नष्ट हो गया था। वह अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं और उनकी मृत्यु पर भारत में गहरा शोक व्यक्त किया गया। सुनीता विलियम्स (60) ने मंगलवार को दिल्ली स्थित 'अमेरिकन सेंटर' में आयोजित 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' नामक एक संवाद सत्र में भाग लिया था। करीब एक घंटे के इस कार्यक्रम के खत्म होते ही विलियम्स मंच से नीचे उतरीं और सभागार में पहली पंक्ति में बैठी कल्पना चावला की मां संयोगिता चावला की ओर बढ़ीं तथा उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया। विलियम्स इस दौरान अपने चिरपरिचित अंतरिक्ष यात्री के लिबास में थीं।

उन्होंने कल्पना चावला की बहन दीपा से भी मुलाकात की, जो इस कार्यक्रम में अपनी मां के साथ आई थीं। विलियम्स वर्तमान में भारत यात्रा पर हैं। वह 22 जनवरी से शुरू होने वाले केरल साहित्य महोत्सव के नौवें संस्करण में भाग लेने वाली हैं। आयोजकों ने दिसंबर के अंत में इसकी घोषणा की थी।

अमेरिकी नौसेना की पूर्व कप्तान सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहायो के यूक्लिड में हुआ था। उनके पिता दीपक पंड्या गुजराती थे और मेहसाणा जिले के झुलासन के रहने वाले थे जबकि उनकी मां उर्सुलिन बोनी पंड्या स्लोवेनियाई थीं। अपने संबोधन में सुनीता ने यह भी कहा कि भारत आने पर घर वापसी जैसा महसूस हो रहा है, क्योंकि यह वह देश है जहां उनके पिता का जन्म हुआ था। बाद में चावला की मां ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि वह (विलियम्स) परिवार के सदस्य की तरह हैं। कल्पना चावला की मां ने कहा कि कोलंबिया हादसे के बाद ''वह तीन महीने तक हमारे घर आती रहीं। नियमित रूप से सुबह से रात तक रुकती थीं और ''शोक में डूबे हमारे परिवार'' को सांत्वना देती थीं। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि विलियम्स और चावला अंतरिक्ष यात्री के तौर पर एक-दूसरे को अपने साझा पेशे में और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया करती थीं।

अपनी बेटी के जीवन को याद करते हुए कल्पना की मां ने कहा कि वह अपने साथ अनमोल खजाना लेकर आई थी। उसने हमें बहुत कुछ सिखाया। हम क्या कह सकते हैं? संयोगिता चावला ने कहा कि उन्होंने अपनी बेटी को उसके सपनों को पूरा करने में पूरा समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि कल्पना अक्सर कहा करती थी कि मानवता ही एकमात्र धर्म है और उसने कभी कोई दूसरा नाम नहीं लिया। जब हम उससे पूछते थे, तुम्हारा धर्म क्या है? तो वह कहती थी, 'मेरा धर्म कर्म है'।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में फिर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, 10 दिन में पांचवीं घटना

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मंगलवार देर रात एक पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। ड्रोन दिखते ही भारतीय सेना ने तुरंत अपना एंटी-ड्रोन सिस्टम सक्रिय कर दिया। सेना के सूत्रों के मुताबिक, यह ड्रोन नियमित निगरानी के दौरान पकड़ा गया। जवाबी कार्रवाई के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। बीते 10 दिनों में सीमा और लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास ड्रोन देखे जाने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले 17 जनवरी को रामगढ़ सेक्टर में, 15 जनवरी को एक बार फिर रामगढ़ में, 13 जनवरी को राजौरी जिले में दो बार और 11 जनवरी को नौशेरा, धरमसाल, रियासी, सांबा और पुंछ के मंकोट सेक्टर में एक साथ पांच ड्रोन देखे गए थे। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं को देखते हुए एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी और चौकसी बढ़ा दी गई है। सेना और खुफिया एजेंसियां ड्रोन गतिविधियों के उद्देश्य का पता लगाने में जुटी हैं। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

लिव-इन पर कोर्ट ने की अहम टिप्पणी: महिला तभी सुरक्षित, जब पत्नी का दर्जा मिले

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा, कि ऐसे रिश्तों में रहने वाली महिलाओं को वास्तविक सुरक्षा तभी मिल सकती है, जब उन्हें पत्नी के समान दर्जा दिया जाए। कोर्ट ने माना कि मौजूदा कानूनी ढांचे में लिव-इन रिलेशनशिप में महिलाओं को वैवाहिक सुरक्षा प्राप्त नहीं है, ऐसे में अदालत की जिम्मेदारी बनती है कि वह महिलाओं को संरक्षण प्रदान करे।

यह टिप्पणी जस्टिस एस. श्रीमथी ने एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। आरोपी पर आरोप था कि वह एक महिला के साथ पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहा और बाद में शादी का झूठा वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब रिश्ते में तनाव बढ़ा तो आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया।

कोर्ट ने अपने आदेश में पुरुषों की मानसिकता पर भी सख्त टिप्पणी की। जस्टिस श्रीमथी ने कहा कि कई पुरुष खुद को ÷मॉडर्न÷ दिखाने के लिए लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हैं, लेकिन जब रिश्ता टूटता है तो वही पुरुष महिला के चरित्र पर सवाल उठाने लगते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि कानून में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर स्पष्ट नियमों और सुरक्षा प्रावधानों का अभाव है।

अदालत ने यह भी कहा कि भारत में भले ही लिव-इन रिलेशनशिप को सामाजिक तौर पर पूरी तरह स्वीकार नहीं किया गया हो, लेकिन यह अब एक आम वास्तविकता बन चुकी है। रिश्ते के दौरान पुरुष आधुनिक सोच का दावा करते हैं, लेकिन जब हालात बिगड़ते हैं तो महिलाओं को दोषी ठहराने और सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करने से पीछे नहीं हटते।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है, जो धोखे से शारीरिक संबंध बनाने से जुड़ी है। अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने संकेत दिया कि ऐसे मामलों में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा सर्वोपरि है।

पीठासीन अधिकारी का व्यवहार निष्पक्ष और न्यायसंगत होना चाहिए-लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि सदन का समय बहुत कीमती होता है। ऐसे में जरूरी है कि सदन में संवाद हो। सहमति-असहमति हो पर गतिरोध नहीं होना चाहिए। सदन के अंदर सभी राजनीतिक दलों से इस बात की चर्चा होनी चाहिए कि कभी गतिरोध ना आए। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी के रूप में हमें निष्पक्ष और न्यायसंगत होना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बुधवार को उप्र की राजधानी लखनऊ के विधान भवन में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि राज्य की विधानसभा ही है जिसके द्वारा अंतिम व्यक्ति की आवाज सदन में और सरकार तक पहुंचती है। जैसे न्यायालय के अंदर लोगों का विश्वास रहता है उसी तरह राज्य विधानमंडल में भी अगर सकारात्मक दृष्टिकोण से जनप्रतिनिधि अपनी बात रखेंगे तो इन विधानसभाओं के माध्यम से परिणाम भी आएंगे। यह लोकतंत्र वही व्यवस्था है जिसमें सभा में होने वाली चर्चाओं से ठोस परिणाम निकलते हैं। इन्हीं संवादों और विमर्शों के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाएं निरंतर सुदृढ़ होती हैं और समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करती हैं। आज जब हम यह संकल्प लेते हैं तो यह केवल एक विधायी संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले समय में हम अपने-अपने लोकतांत्रिक संस्थानों के माध्यम से ÷विकसित भारत÷ के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अपने राज्य को विकसित राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए आवश्यक है कि सभी माननीय सदस्य चर्चा, संवाद और विचार-विमर्श में सक्रिय भागीदारी करें।

उन्होंने कहा कि विकास के लिए हमें यह विचार करना होगा कि संवाद और विमर्श के माध्यम से राज्य को किस प्रकार दिशा और आधार दिया जा सकता है, ताकि भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त बन सके। समाज की भूमिका इसमें मार्गदर्शक की होनी चाहिए और समाज के विभिन्न वर्गों से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से सुना और अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने लगातार यह प्रयास किया है कि लोकतांत्रिक सरकारें अधिक जवाबदेह बनें और शासन-प्रशासन से जुड़ी चुनौतियों को विधायी स्तर पर उठाया जाए। कई बार विधायी प्रक्रियाओं और विपक्ष की भूमिका को सशक्त करने के प्रयास किए गए हैं जिनके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। आने वाले समय में हम यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि राज्य की विधानसभा की न्यूनतम 30 दिन बैठकें हों, जिनमें सहमति और असहमति दोनों के माध्यम से जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हो।

उन्होंने कहा कि विधानसभा वह मंच है जहां आम नागरिक की आवाज लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से स्थापित होती है। मतदाता मतदान करने के बाद यह अपेक्षा करता है कि अगले पांच वर्षों तक उसका चुना हुआ प्रतिनिधि उसकी समस्याओं और चुनौतियों को उठाएगा तथा उनके समाधान के लिए प्रयास करेगा। जिस प्रकार जनता का विश्वास न्यायालयों में है उसी प्रकार राज्य विधानमंडल पर भी जनता का अटूट विश्वास होना चाहिए कि उसकी बात यहां अवश्य सुनी जाएगी। हमने विधानसभा को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग बढ़ाया है। एआई और नवीन तकनीकों के माध्यम से पुरानी बहसों, चर्चाओं और निर्णयों को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभाओं के बीच आपसी संवाद, विधायी सूचकांक,

भागीदारी, जवाबदेही और कार्यकुशलता को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। नए नियम, नई प्रक्रियाएं और प्रभावी संसदीय समितियां लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाती हैं। संविधान के अधीन कार्य करते हुए यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम निष्पक्षता, पारदर्शिता और जनउत्तरदायित्व को सर्वोच्च स्थान दें।

एकनाथ शिंदे को एमएनएस के समर्थन पर बोले संजय राउत- यह राज ठाकरे का फैसला नहीं

मुंबई (एजेंसी)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) द्वारा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना को समर्थन दिए जाने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। इस मुद्दे पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि यह फैसला एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे का नहीं, बल्कि पार्टी के स्थानीय नेताओं का है।

सांसद संजय राउत ने बुधवार 21 जनवरी को मीडिया से बातचीत में दावा किया कि राज ठाकरे इस घटनाक्रम से बेहद नाराज और व्यथित हैं। उन्होंने कहा, राज ठाकरे बहुत व्यथित हैं जिस तरह से स्थानीय नेताओं ने यह फैसला लिया है। उनका साफ कहना है कि इस फैसले में उनकी भूमिका नहीं है और न ही पार्टी की आधिकारिक भूमिका है। संजय राउत के मुताबिक, राज ठाकरे का मानना है कि यदि स्थानीय नेताओं ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर निर्णय लिया है, तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

संजय राउत ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे अंबरनाथ में कांग्रेस के 12 पार्षद बीजेपी के साथ चले गए थे और उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया था, उसी तरह पार्टी विरोधी गतिविधियों पर सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में भी जो पार्टी के खिलाफ काम करता है, उसे बाहर का रास्ता दिखाया जाता है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कल्याण-डोंबिवली के घटनाक्रम को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सत्ता के लिए महाराष्ट्र के साथ बेईमानी करने वालों के साथ जो भी खड़ा होता है, जनता उसे भी बेईमान मानती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां के लोगों ने बहुत बड़ी गलती की है और इसका राजनीतिक खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में बहुमत के लिए 62 पार्षदों की जरूरत है। यहां शिवसेना के पास 52 और बीजेपी के पास 51 पार्षद हैं, जबकि एमएनएस के 5 पार्षद निर्णायक स्थिति में हैं। इसी कारण एमएनएस के समर्थन को सत्ता गठन के लिए अहम माना जा रहा है।

श्रीकांत बोले- महायुति की सत्ता बनेगी

वहीं, शिंदे गुट की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के बेटे और लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि एमएनएस ने महायुति को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी, शिवसेना, एमएनएस और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर यहां महायुति की सत्ता बनेगी और विकास के लिए जो भी साथ आना चाहता है, उसका स्वागत है। इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर नई बहस और हलचल पैदा कर दी है।

स्टालिन का बयान हेट स्पीच की श्रेणी वाला, मद्रास हाईकोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान पर चल रही राजनीतिक और कानूनी बहस के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने बुधवार को कहा कि मंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा हिंदू धर्म पर स्पष्ट हमला है और यह हेट स्पीच की श्रेणी में आती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह के शब्दों का अर्थ जनसंहार की ओर इशारा करता है, जिसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म संबंधी बयान पर सवाल उठाए गए थे। याचिका में कहा गया था कि मंत्री की टिप्पणी सनातन धर्म को मानने वालों के खिलाफ 'जनसंहार' का आह्वान करती है। हालांकि, उदयनिधि स्टालिन ने अपने बचाव में कहा था कि उनके बयान को गलत तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उनका आशय किसी समुदाय या धर्म के

अनुयायियों को आहत या नुकसान पहुंचाने का नहीं था।

मद्रास हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा, यदि यह कहा जाए कि सनातन धर्म का पालन करने वाले लोगों का अस्तित्व नहीं होना चाहिए, तो इसके लिए सही शब्द 'जनसंहार' है। अगर सनातन धर्म को एक धर्म माना जाए, तो यह 'रिलिजिसाइड' यानी धर्म के विनाश की श्रेणी में आएगा। कोर्ट ने आगे कहा कि ऐसी भाषा लोगों के उन्मूलन की ओर संकेत करती है, चाहे वह किसी भी तरीके से हो, जिसमें इकोसाइड, फैक्टोसाइड और कल्चरसाइड जैसे रूप शामिल हो सकते हैं।

कोर्ट ने तमिल भाषा में प्रयुक्त शब्द 'सनातन ओझिप्पु' की व्याख्या करते हुए कहा कि इसका सीधा अर्थ सांस्कृतिक उन्मूलन या संस्कृति के नाश से जुड़ा है। इसी आधार पर अदालत ने माना कि मंत्री के बयान पर सवाल उठाने वाली सोशल मीडिया पोस्ट को हेट स्पीच नहीं कहा जा सकता। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी तेज हो गई है।

बीजेपी के नए अध्यक्ष नितिन नबीन को अब राज्यसभा लाने पर विचार कर रही पार्टी

-झारखंड से जून 2026 में खाली हो रही सीट वहां से किया जा सकता है नामांकित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को जल्द ही राज्यसभा में प्रवेश मिलेगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस साल कई राज्यसभा सीटें खाली होने वाली हैं और पार्टी उन्हें राज्यसभा में लाने पर विचार कर रही है। हालांकि, फिलहाल उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि पार्टी एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत का पालन कर रही है। 45 साल के नितिन नबीन बिहार के पांच बार के विधायक हैं। वह बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने गए हैं। उनका जन्म रांची (झारखंड) में हुआ था। उनके पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा भी वरिष्ठ बीजेपी नेता थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को उन्होंने पार्टी मुख्यालय में औपचारिक रूप से अध्यक्ष पद की कमान संभाली, जहां पीएम मोदी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मोदी ने उन्हें मिलेनियल बॉस कहकर संबोधित किया और पार्टी में नई ऊर्जा का संकेत दिया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि नितिन नबीन को उनकी नई जिम्मेदारी के अनुरूप संसद में लाया जाएगा। बिहार से राज्यसभा की कोई सीट अभी खाली नहीं है, लेकिन पड़ोसी राज्य झारखंड से एक विकल्प उपलब्ध है। झारखंड से बीजेपी सांसद दीपक प्रकाश का कार्यकाल जून 2026 में खत्म हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन का जन्म रांची में होने के कारण उन्हें वहां से नामांकित किया जा सकता है। हालांकि पार्टी की केंद्रीय नेतृत्व किसी भी राज्य से उन्हें भेज सकती है, जहां उपयुक्त सीट उपलब्ध हो। इस साल कुल 71 राज्यसभा सदस्य रिटायर हो रहे हैं, जिनमें से 30 बीजेपी के हैं। इनमें यूपी से 8, गुजरात से 3, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, असम, कर्नाटक, ओडिशा और हरियाणा से दो-दो सीटें शामिल हैं। झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मणिपुर से एक-एक सीट खाली हो रही है। बीजेपी के दो प्रमुख सदस्यों- केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की यूपी से सीटें भी खाली होंगी।

नितिन नबीन के राज्यसभा में आने से पार्टी को युवा और संगठनात्मक रूप से मजबूत चेहरा मिलेगा, जो संसद में सक्रिय भूमिका निभागा। उन्हें हाल ही में लुटियंस दिल्ली में आधिकारिक आवास भी आवंटित किया गया है। अध्यक्ष पद संभालने के बाद नबीन का पहला बड़ा कार्यक्रम 21 जनवरी को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक है, जिसमें पीएम मोदी और संसदीय बोर्ड के सदस्य शामिल होंगे। इसके बाद 27 जनवरी को बजट सत्र से पहले संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता भी वे करेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com